आज का विचार

रिश्ता कभी भी हमारी सुंदरता, उम्र या व्यक्तित्व पर निर्भर नहीं करता है, रिश्ता तो हमारे द्वारा दिए गए समय, साथ, सम्मान और सच्चाई पर निर्भर करता हैं ।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

7

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । मंगलवार, 22 अक्तूबर, 2024 वर्ष 22, अंक 259, मूल्यः 3 रुपए RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

धर्मनिरपेक्षता को हमेशा संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा माना गया है: उच्चतम न्यायालय

न्यायिक पीठ ने कहा-समाजवाद शब्द को शामिल करने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगेगा

एजेंसी
नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि धर्मनिरपेक्षता को हमेशा से भारतीय संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न अंग माना गया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्होंने संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल किये जाने को चुनौती दी है।

पीठ ने कहा, इस न्यायालय ने कई निर्णयों में माना है कि धर्मनिरपेक्षता हमेशा से संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा रही है। अगर समानता के अधिकार और संविधान में प्रयुक्त 'बंधुत्व' शब्द को सही से देखा जाए, तो इस बात का स्पष्ट संकेत मिलता है कि धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मुख्य विशेषता माना गया है।इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 1976 में लाये गये 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द शामिल किये गये थे।

इस संशोधन ने प्रस्तावना में भारत का उल्लेख संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य कर दिया। सुनवाई के दौरान जैन ने दलील दी कि डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने कहा था कि समाजवाद शब्द को शामिल करने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगेगा।उन्होंने कहा कि प्रस्तावना को संशोधनों के जरिये संशोधित नहीं किया जा सकता।न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि समाजवाद के अलग-अलग अर्थ हैं और पश्चिमी देशों में अपनाए गए अर्थ को नहीं लिया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा, समाजवाद का अर्थ यह भी हो सकता है कि अवसर की समानता होनी चाहिए और देश की संपत्ति समान रूप से वितरित की जानी चाहिए। याचिकाकताओं में शामिल अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि वह न तो समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्दों के खिलाफ हैं और न ही संविधान में उनके शामिल किए जाने के खिलाफ हैं, बल्कि वह इन शब्दों को 1976 में प्रस्तावना में शामिल किए जाने के खिलाफ हैं और वह भी 26 नवंबर, 1949 से पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ। उन्होंने कहा कि एक शब्द जोड़ने से देश में कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि भविष्य की सरकारों के लिए भानुमती का पिटारा खुल जाता है। उन्होंने कहा कि ये सरकारें इन शब्दों के साथ खेल सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना से एक शब्द हटाया जा सकता है।

दूसरी ओर, स्वामी ने कहा कि प्रस्तावना 26 नवंबर, 1949 को की गई एक घोषणा थी, इसलिए बाद में संशोधन के माध्यम से इसमें और शब्द जोड़ना मनमाना था। उन्होंने कहा कि यह दशार्ना गलत है कि वर्तमान प्रस्तावना के अनुसार, भारतवासी 26 नवंबर, 1949 को भारत को एक समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य बनाने के लिए सहमत हुए थे।पीठ ने कहा कि वह मामले की पड़ताल करेगी। इसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तारीख निर्धारित की।शीर्ष अदालत ने नौ फरवरी को सवाल किया था कि क्या संविधान की प्रस्तावना को अपनाने की तारीख, 26 नवंबर, 1949 को बरकरार रखते हुए संशोधित किया जा सकता है।

जैन ने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना एक विशिष्ट तिथि के साथ आती है, इसलिए, बिना चर्चा के इसमें संशोधन नहीं किया जा सकता। स्वामी ने कहा कि 42वां संशोधन अधिनियम आपातकाल (1975-77) के दौरान पारित किया गया था। शीर्ष अदालत ने दो सितंबर, 2022 को स्वामी की याचिका को अन्य लंबित मामले बलराम सिंह और अन्य के साथ सुनवाई के लिए संलग्न कर दिया था।

स्वामी और सिंह दोनों ने प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग की है। स्वामी ने अपनी याचिका में दलील दी कि प्रस्तावना को बदला या निरस्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना न केवल संविधान की आवश्यक विशेषताओं को इंगित करती है, बल्कि उन मूलभूत शर्तों को भी दशार्ती है जिनके आधार पर इसे एकीकृत समुदाय बनाने के लिए अपनाया गया था।

हरियाणा चुनाव के नतीजों ने स्थिरता की अभिव्यक्ति को और मजबूती दी: मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने स्थिरता की उस अभिव्यक्ति को और मजबूत किया है, जिसे केंद्र में उनके नेतृत्व वाली सरकार को लगातार तीसरी बार मौका देकर जनता ने व्यक्त किया था।प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है और राजनीतिक दल अपने प्रचार अभियान को धार देने में जुटे हुए हैं। एनडीटीवी विश्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में अभूतपूर्व गति और पैमाने पर काम कर रही है और दुनिया में जारी संघर्षों व उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। भारत को एक उभरती शक्ति बताते हुए उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पास एस्पिरेशनल इंडिया (एआई यानी आकांक्षी भारत) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई यानी कृत्रिम बुद्धमत्ता) के दोहरे एआई का लाभ है और जब दोनों की ताकत मिलती है तब विकास की गति भी तेज होना स्वाभाविक है।मोदी ने कहा कि भारत संकट के समय का साथी है और कोविड महामारी के दौरान

भेजे गए जीवनरक्षक टीके इसका उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है 'भारत की शताब्दी।' दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि चुनौतियां भारत के सामने भी हैं लेकिन इसमें सकारात्मकता की एक भावना है और जिसे सभी भारतवासी महसूस भी करते हैं। उन्होंने कहा, भारत इतिहास में वैश्विक विकास की ताकत रहा है, लेकिन भारत ने गुलामी भी देखी और औद्योगिक क्रांतियों का लाभ नहीं उठा पाया।अब, यह उद्योग 4.0 का समय है और हम तैयार हैं क्योंकि अब हम गुलाम नहीं हैं।देश उद्योग 4.0 के लिए आवश्यक कौशल विकास कर रहा है और बुनियादी ढांचे के निर्माण पर काम कर रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक विकासशील देश होने के साथ-साथ एक उभरती हुई शक्ति भी है। उन्होंने कहा, हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है। आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है। विकसित भारत की अवधारणा जन चेतना का हिस्सा बन गई है और जन शक्ति राष्ट्र शक्ति को शक्ति प्रदान कर रही है।

मोदी ने गिनाए तीसरे कार्यकाल के विकास कार्य

प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरूआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है।उन्होंने कहा, भारत की सोच और दृष्टिकोण में आए बदलाव पर आप भी ध्यान देते होंगे।अब हम बीते समय की तुलना नहीं करना चाहते और अपनी उपलब्धियों पर निर्भर नहीं होना चाहते।हम एक नए दृष्टिकोण के साथ अपने लक्ष्य के बारे में चिंतित हैं।उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के तीसरे कार्यकाल में काम की गति को देखते हुए कई रेटिंग एजेंसियों ने भारत की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित किया है।मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और इस युवा देश की क्षमता हमें आसमान की ऊंचाइयों पर ले जा सकती है।उन्होंने कहा कि दुनिया का वर्तमान और भविष्य एआई से जुड़ा है और भारत के पास एआई के लाभ की दोगुनी शक्ति है। प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया के लिए एआई का मतलब कृत्रिम बुद्धिमत्ता है, हमारे पास वह है। इसके साथ ही हमारे पास आकांक्षी भारत भी है। जब आकांक्षी भारत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ताकत मिलती है तो तेज गति से विकास होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत हर क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग बढ़ा रहा है। 21वीं सदी के इस समय को मानव इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण समय करार देते हुए मोदी ने कहा कि ऐसे में स्थिरता, टिकाऊपन और समाधान आज के युग की बड़ी जरूरतें हैं।उन्होंने इन्हें मानवता के बेहतर भविष्य के लिए सबसे जरूरी शर्तें बताते हुए कहा कि भारत आज यही प्रयास कर रहा है।मोदी ने कहा, छह दशक में पहली बार देश के लोगों ने लगातार तीसरी बार किसी सरकार को अपना जनादेश दिया है।यह स्थिरता का संदेश है। अभी हरियाणा में हुए चुनाव में भी भारत की जनता ने स्थिरता के इस भाव को मजबूती दी है।भाजपा ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनावों में 90 में से 48 सीटों पर जीत हासिल की और चुनाव पूर्व सभी अनुमानों को धता बताते हुए उसने लगातार तीसरी बार जनादेश हासिल किया। हरियाणा के बाद अब राजनीतिक दलों का ध्यान अगले महीने होने वाले महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों पर केंद्रित हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र में अपने सहयोगियों के साथ सत्ता बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है तो वहीं झारखंड में उसकी कोशिश इंडिया गठबंधन को सत्ता से बाहर करने की है। मोदी ने कहा कि भारत ने दूरसंचार और डिजिटल भविष्य, वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र, वैश्विक फिनटेक उत्सव से संबंधित कार्यक्रमों में भी भाग लिया और नागरिक उड्डयन और नवीकरणीय ऊर्जा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। उन्होंने कहा, ये आयोजन उस विश्वास को प्रदर्शित करते हैं जो दुनिया का भारत में है।मोदी ने विभिन्न अध्ययनों और सर्वेक्षणों का हवाला देते हुए कहा कि चाहे अनुसंधान की गुणवत्ता हो या पेटेंट और ट्रेडमार्क पंजीकरण की संख्या, भारत में बड़ी वृद्धि हुई है।उन्होंने कहा कि जितना अधिक भारत आगे बढ़ेगा, दुनिया को उतना ही अधिक लाभ होगा और देश के प्रयासों का उद्देश्य वैश्विक स्थिरता और शांति सुनिश्चित करना है।

आतंकवाद, घुसपैठ, धार्मिक तनाव के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी: शाह

एजेंसी
नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भले ही देश ने जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित इलाकों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित कर ली है लेकिन आतंकवाद, घुसपैठ और धार्मिक तनाव पैदा करने की साजिश के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि शहीद पुलिस कर्मियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और देश निश्चित रूप से 2047 तक पूरी तरह विकसित राष्ट्र बन जाएगा।

उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्ष में जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा वामपंथी चरमपंथ से प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित की गयी है। हालांकि, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है।हम मादक पदार्थ, साइबर अपराध, धार्मिक तनाव पैदा करने की साजिश, घुसपैठ और आतंकवाद के खिलाफ लड़ते रहेंगे जो हमारे लिए चुनौतियां पैदा करती रहे हैं।गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से 36,438 पुलिसकर्मियों ने देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान दी है जिनमें से 216 लोगों ने पिछले साल प्राण न्यौछावर किए।

उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा में बलिदान के लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। शाह ने कहा, मैं शहीदों के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश

सुरक्षित रहेगा, किसी भी चुनौती के बावजूद अपने लक्ष्य को हासिल करेगा और भारत 2047 तक निश्चित रूप से एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। एक जुलाई से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने पर काम पांच साल पहले शुरू हुआ था और बाकी का काम अगले तीन साल में पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा, मैं देश को बताना चाहता हूं कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली दुनिया में सबसे आधुनिक होगी और प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई तक पूरा न्याय दिया जा सकता है। पुलिस कर्मियों के हित में उठाए कदमों के बारे में जानकारियां देते हुए शाह ने कहा कि पुलिसकर्मी और उनके परिवार के सदस्य आयुष्मान सीएपीएफ योजना लागू होने के बाद किसी भी आयुष्मान अस्पताल में इलाज करा सकते हैं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों को आवास उपलब्ध कराने पर उन्होंने कहा कि 13,000 मकानों के निर्माण के लिए स्वीकृति दी गयी है जिनमें से 11,276 अगले साल मार्च तक तैयार हो जाएंगे।

पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन यहां राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में किया गया। अपने संबोधन से पहले शाह ने ड्यूटी के दौरान प्राण न्यौछावर करने वाले सभी पुलिसकर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित की। लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स में 21 अक्टूबर 1959 को भारी हथियारों से लैस चीनी सेना के घात लगाकर किए गए हमले के दौरान 10 पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी थी। उसके बाद से ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले इन शहीदों तथा सभी अन्य पुलिसकर्मियों की याद में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रियंका गांधी कल करेंगी वायनाड से नामांकन दाखिल, सोनिया, खरगे और राहुल रहेंगे मौजूद

एजेंसी
नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा बुधवार (23 अक्टूबर) को वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करेंगी और इस मौके पर पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कई अन्य नेता मौजूद रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नामांकन से पहले राहुल गांधी और

प्रियंका गांधी 23 अक्टूबर को सुबह 11 बजे रोडशो करेंगे। प्रियंका गांधी के नामांकन दाखिल करने के मौके पर सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, राहुल गांधी, कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

वायनाड से निर्वाचित होने पर प्रियंका पहली बार किसी सदन की सदस्य बनेंगी। वह 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में उतरी थीं।उसके बाद से वह पार्टी महासचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं। लोकसभा चुनाव के कुछ दिनों बाद, जून में कांग्रेस ने घोषणा की थी कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली संसदीय क्षेत्र रखेंगे और केरल की वायनाड सीट खाली कर देंगे, जहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी चुनावी पारी की शुरूआत करेंगी।

निर्वाचित होने पर प्रियंका गांधी पहली बार सांसद बनेंगी तथा यह भी पहली बार होगा कि गांधी परिवार के तीन सदस्य - सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका एक साथ संसद में होंगे।

भारत, चीन पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त से जुड़े समझौते पर सहमत

एजेंसी
नई दिल्ली

भारत ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय और चीनी वातार्कार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध वाले बाकी बिंदुओं पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं। इस समझौते को पूर्वी लद्दाख में लगभग चार वर्षों से जारी सैन्य गतिरोध के समाधान की दिशा में एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संकेत दिए कि यह समझौता विवादित बिंदुओं से सैनिकों की वापसी का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे 2020 में पैदा हुए गतिरोध का समाधान होगा। समझा जाता है कि यह समझौता देपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त से संबंधित है। मिस्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत और चीन के राजनयिक एवं सैन्य वातार्कार पिछले कई हफ्तों से विभिन्न मंचों पर एक-दूसरे के करीबी संपर्क में रहे हैं। उन्होंने कहा, इन चचाओं के परिणामस्वरूप, भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति बनी है, जिससे 2020 में इन क्षेत्रों में उत्पन्न हुए गतिरोध का समाधान और सैनिकों की वापसी संभव हो सकेगी।

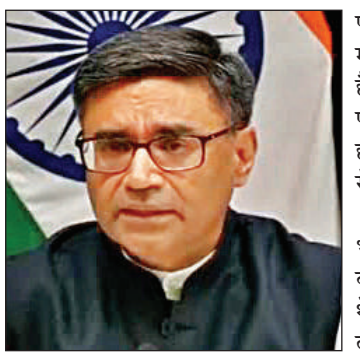

मिस्री ने कहा, हम इस संबंध में आगे के कदम उठाएंगे। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या मौजूदा समझौता गश्त को लेकर उन अधिकारों को बहाल करता है, जो गतिरोध से पहले मौजूद थे। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच मई 2020 से सैन्य गतिरोध बरकरार है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद का पूर्ण समाधान अभी तक नहीं हो पाया है। हालांकि, वे टकराव वाले कई बिंदुओं से पीछे हट चुके हैं।

जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे। यह झड़प पिछले कुछ दशकों में दोनों पक्षों के बीच हुई सबसे गंभीर सैन्य झड़प थी। भारत लगातार कहता आ रहा है कि जब तक सीमावर्ती इलाकों में शांति बहाल नहीं होती, तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की उत्तर प्रदेश के पुलिसकर्मियों के लिये कई घोषणाएं

एजेंसी
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर पुलिस वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत और पुलिस आवास भत्ते में 25 फीसदी की बढ़ोतरी समेत कई कल्याणकारी घोषणाएं कीं।राज्य सरकार की ओर से यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ये घोषणाएं कीं।

बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत तथा बैरक में रहने वाले आरक्षियों के पुलिस आवास भत्ते में 25 प्रतिशत की वृद्धि और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेलकूद में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आहार तथा अन्य मदों में अगले वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपये बढ़ाने की घोषणा की।

इसमें कहा गया कि इन घोषणाओं पर प्रदेश सरकार 115 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी।मुख्यमंत्री ने बहुमंजिला पुलिस आवास और प्रशासनिक भवन के रखरखाव के लिए 1,380 करोड़ रुपये के कॉर्पस फंड' की घोषणा की। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवगंत पुलिसकर्मियों को याद किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्तव्यों का पालन करते हुए अपनी जान न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों तथा केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों के कुल 115 जवानों के आश्रितों को 36 करोड़ 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है।उन्होंने कहा कि जिलों में तैनात पुलिस जवानों की सुख सुविधा के लिए तीन करोड़ 50 लाख रुपये, कल्याण के लिए चार करोड़ रुपये, कार्यरत तथा सेवानिवृत पुलिसकर्मियों एवं उनके आश्रितों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 266 दावों के निस्तारण के लिए 30 लाख 56,000 रुपये की राशि दी गयी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट सेवाओं के लिए चार तथा सराहनीय सेवाओं के लिए 110 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस पदक प्रदान किये गये हैं।

उन्होंने कहा, प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद पुलिस विभाग के विभिन्न पदों पर एक लाख

54 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की गयीं जिनमें 22 हजार से अधिक महिला कार्मिक शामिल हैं। विभिन्न राजपत्रित पदों पर एक लाख 41 हजार से अधिक कार्मिकों को पदोन्नति दी गयी।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 60 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में शांति और कानून स्थापित करने के लिए पिछले सात वर्षों में 17 जवान अप्रतिम शौर्य का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए और 1618 पुलिसकर्मी घायल हुए। उन्होंने कहा, प्रदेश में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए गैंगस्टर एक्ट के तहत 77,811 और 923 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। माफिया और अपराधी गिरोहों के 68 मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर 31 माफिया तथा उनके 66 सहयोगियों को आजीवन कारावास की सजा दिलायी गयी।इसके अलावा दो को फांसी की सजा हुई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि माफिया और उनके गैंग के सदस्यों द्वारा अर्जित चार हजार 57 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति को जब्त किया गया। उन्होंने कहा, एंटी रोमियो स्क्वायड द्वारा 22 मार्च 2017 से दो अक्टूबर 2024 तक एक करोड़ दो लाख से ज्यादा स्थानों पर निरीक्षण किया गया। साथ ही तीन करोड़ 68 लाख से अधिक लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक अभियान के तहत धार्मिक स्थलों से 1,08,037 से अधिक लाउडस्पीकर उतारे गए या उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार उनकी ध्वनि नियंत्रित की गयी। मुख्यमंत्री ने कहा, पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की कर्तव्य पालन के दौरान मृत्यु होने पर सरकार के पास विभिन्न प्रकार की शिकायतें आती हैं। उन कर्मियों के परिवारजनों खासतौर पर उनकी पत्नी तथा माता-पिता के जीवित न रहने की दिशा में सरकारी आदेश में वर्णित व्यवस्था के अनुसार मृतक के परिवार को पूर्ण धनराशि नहीं मिलने की समस्या बताई गई थी। उन्होंने कहा कि इस पर विचार करते हुए निर्णय लिया गया है कि वर्तमान सरकारी आदेश को संशोधित करते हुए सहायता की संपूर्ण धनराशि मृतक की पत्नी, माता-पिता या जो भी कानूनी वारिस हो उसे ही उपलब्ध कराई जाए। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा, आज के दिन हम अपने उन सभी वीर साथियों को याद करते हैं जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना देश के लिए शहादत दी। उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री ने सभी पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने के लिए कई घोषणाएं की हैं। कई वर्षों के बाद वर्दी भत्ता तथा आवास भत्ता बढ़ाया गया है और खेल निधि में भी बढ़ोतरी की गई है।

उद्योगपतियों की सलाह से पंजाब में उद्योग संबंधी नीतियां लागू करेंगे: सौंद

उद्योग मंत्री द्वारा उद्योगपतियों को पंजाब की तरक्की में योगदान देने की अपील

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब के उद्योग और वाणिज्य, पूंजी निवेश, श्रम और पर्यटन मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने सोमवार को कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के कार्यक्रम में उद्योगपति मिलनी में मुख्य मेहमान के रूप में शिरकत की। उन्होंने उद्योगपतियों को विश्वास दिलाया कि पंजाब में उद्योग संबंधी नीतियां उद्योगकारों की सलाह से लागू की जाएंगी ताकि उद्योगपति बिना किसी परेशानी के काम कर सकें।

सीआईआई के सेक्टर 31 के कार्यालय में अपने संबोधन दौरान सौंद ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार सूबे के उद्योगों की तरक्की के लिए गंभीर कोशिशें कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इन्वेस्ट पंजाब के पोर्टल को बाकी संबंधित विभागों की वेबसाइटों से लिंक किया जाएगा ताकि विभिन्न प्रकार की अनुमतियाँ लेने में उद्योगपतियों को कोई मुश्किल न आए।

उन्होंने कहा कि पिछले ढाई साल में पंजाब में लगभग 88 हजार करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है और यह गति तेजी से जारी है। सौंद ने कहा कि निवेश के लिए पंजाब की नीतियां देश भर में अव्वल दर्जे की हैं। उन्होंने उद्योगपतियों से पंजाब की उन्नति में योगदान देने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब सरकार किसी भी उद्योग को सूबे से बाहर नहीं जाने देगी और उद्योगपतियों की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए वचनबद्ध है।

उन्होंने घोषणा की कि आने वाले समय में मोहाली को आईटी उद्योग के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाने की कोशिशें तेज कर दी गई हैं। इस मौके पर उद्योगपतियों ने कई सुझाव भी दिए और अपनी समस्याएं भी उद्योग मंत्री के साथ साझा कीं। सौंद ने कहा कि सीआईआई के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों को सरकार गंभीरता से लेती है और इन समस्याओं को कम से कम समय में दूर करने के लिए वचनबद्ध है। कुछ नीतियों, सुझावों और उद्योगपतियों की मांगों के संबंध में सौंद ने कहा कि संबंधित मुद्दों पर मुख्यमंत्री साहब के साथ बातचीत करके जल्द पूरा किया जाएगा।

- आई.टी. उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की कोशिशें तेज
- उद्योगपतियों के सुझाव लिए और जल्द हल करने का दिया भरोसा

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की पूरी टीम रसरकार आपके द्वारर योजना के माध्यम से लोगों की समस्याओं को उनके पास जाकर सुनती है और यही नीति उद्योगों पर भी लागू करेंगे और उद्योगपतियों को अपनी समस्याओं के साथ सरकारी दफ्तरों में आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सरकार खुद जाकर उद्योगपतियों की समस्याओं का हल करेगी।

सौंद ने सीआईआई के सभी सदस्यों को पंजाब के ब्रांड एंबेसडर बनकर सूबे में अधिक से अधिक निवेश लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उद्योगपतियों को श्रम विभाग की कर्मचारी पक्षीय स्कीमों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग की ऐसी कई योजनाएं हैं जिनका लाभ उद्योगपति ले सकते हैं।

इससे पहले सीआईआई पंजाब के चेयरमैन अभिषेक गुप्ता ने उद्योग मंत्री का स्वागत किया और उद्योगों की उन्नति के लिए की जा रही कोशिशों की प्रशंसा की। मीटिंग में सूबे भर के नामी उद्योगकारों के अलावा इन्वेस्ट पंजाब के सीईओ डीपीएस खरबंदा, पंजाब स्माल इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन के एमडी वरिंदर कुमार शर्मा, श्रम विभाग के प्रबंधकीय सचिव मनवेश सिंह सिद्धू और सीआईआई पंजाब के वाइस चेयरमैन अमित जैन भी उपस्थित थे।

पुलिस ड्यूटी के दौरान शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए स्मृति दिवस का आयोजन किया

सिटी दर्पण
फरीदकोट

पुलिस स्मृति दिवस पर अपनी ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले पुलिस अधिकारियों और जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पुलिस लाइन में एक स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री अश्वनी कुमार, डीआइजी, फरीदकोट रेंज, फरीदकोट, श्री दिनेश कुमार वधवा अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, फरीदकोट, श्री गगनदीप सिंह चीमा, डीआइजी, बीएसएफ, कमांडेंट बलबीर सिंह और श्री चंद्र शेखर सिविल सर्जन विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में उपायुक्त श्री विनीत कुमार ने कहा कि 21 अक्टूबर को पूरे देश में पुलिस कर्तव्य के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर अधिकारियों और जवानों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने दुश्मन का फायदा उठाया और देश की शांति और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने शहीद पुलिस अधिकारियों और जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शहीदों के बलिदान के कारण ही हम आजाद फिजा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों के इस अतुल्य बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि हमें इन शहीदों से प्रेरणा लेकर अपना कर्तव्य पूरी ईमानदारी और परिश्रम से निभाना चाहिए। डॉ. प्रज्ञा जैन एसएसपी फरीदकोट ने इस दिन के महत्व और चीन और लद्दाख हमलों के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मियों/अधिकारियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये शहीद पंजाब पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के लिए प्रकाश की किरण के रूप में हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे और अन्य पुलिस कर्मियों के लिए और अधिक जुनून, कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों के इस निस्वार्थ बलिदान के लिए पूरा देश शहीदों के परिवारों का ऋणी रहेगा। इस अवसर पर शहीदों के परिजनों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया और उनसे बातचीत कर उनके दुख-दर्द व समस्याएं सुनीं और मौके पर ही उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग को निर्देश भी दिये. साथ ही उन्होंने भविष्य में भी ऐसी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष प्रयास करने का आश्वासन दिया।

इसके बाद दिनांक 01.09.2023 से 31.08.2024 तक श्री जसमीत सिंह साहीवाल, एसपी फरीदकोट द्वारा ड्यूटी शहीद पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के नाम पढ़े गये। शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए श्री समशेर सिंह डीएसपी (एस) फरीदकोट के नेतृत्व में एक शोक परेड आयोजित की गई। इसके बाद सभी अधिकारियों एवं दर्शकों ने खड़े होकर सिर झुकाकर 02 मिनट का मौन रखा।

खालसा कॉलेज की छात्राओं ने जोनल यूथ फेयर में ओवरऑल सेकेंड रनरअप की ट्रॉफी हासिल की

सिटी दर्पण
अमृतसर

खालसा कॉलेज फॉर वुमेन की छात्राओं ने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के जोन ए में आयोजित जोनल यूथ फेयर में ओवरऑल सेकेंड रनर-अप के रूप में ट्रॉफी जीतकर कॉलेज को गौरवान्वित किया है। इस संबंध में प्राचार्य डॉ. सुरिंदर कौर ने उक्त उपलब्धि के लिए छात्रों, युवा कल्याण की डीन रविंदर कौर और सभी स्टाफ के अथक प्रयासों की सराहना की और कहा कि युवक मेले के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में कॉलेज ने लोक गीत, कविशरी, समूह में पहला स्थान हासिल किया। शबद, मेंहदी और शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिताओं में स्थान मिला। उन्होंने कहा कि गिद्दा, ग्रुप सांग, गीत, गजल, वार, रंगोली, डिबेट, स्किट, क्लासिकल वोकल (सोलो), कार्टूनिंग, फोटोग्राफी व क्विज प्रतियोगिताओं में द्वितीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि माइम, मिमिक्री, प्ले, कॉस्ट्यूम परेड, ऑन द स्पॉट पेंटिंग, इंस्टालेशन, वेस्टर्न वोकल (सोलो), वेस्टर्न ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस, एलोक्यूशन में तीसरा स्थान मिला। उन्होंने कहा कि संस्था छात्राओं के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ प्रतिभा को निखारने और निखारने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर श्रीमती रविंदर कौर ने उक्त सम्माननीय उपलब्धि के लिए डॉ. सुरिंदर कौर, सभी स्टाफ और छात्रों के अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद किया।

पीएसपीसीएल को कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब कैबिनेट सब-कमेटी, जिसमें कैबिनेट मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा, श्री अमन अरोड़ा, स. कुलदीप सिंह धालीवाल और स.हरभजन सिंह ई.टी.ओ. शामिल हैं, ने पंजाब राज्य पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पी.एस.पी.सी.एल.) को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि कोई भी कर्मचारी बिना आवश्यक सुरक्षा किट के कोई खतरनाक कार्य न करे। कैबिनेट सब-कमेटी ने आज यहां पंजाब भवन में विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के साथ बैठक के दौरान यह निर्देश दिए।

इस बैठक में प्रशासनिक सचिव (बिजली विभाग) श्री राहुल तिवाड़ी, वित्त सचिव श्री बसंत गर्ग, पी.एस.पी.सी.एल. के चेयरमैन-कम-प्रबंधकीय निदेशक बलदेव सिंह सरा और निदेशक वितरण श्री डी.पी.एस. ग्रेवाल उपस्थित थे। कमेटी ने अपने मांग पत्र में यूनियन द्वारा पेश की गई मांगों के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया और इन मुद्दों के समाधान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कैबिनेट सब-कमेटी ने पावरकाम एंड ट्रांस्को कॉन्ट्रैक्ट एम्प्लाइज यूनियन को भरोसा दिया कि उनकी जायज मांगों पर सहानुभूति से विचार किया जाएगा।

इसके बाद मिड-डे-मील यूनियन के साथ बैठक के दौरान महा निदेशक स्कूल शिक्षा श्री विनय बुबलानी ने कैबिनेट सब-कमेटी को जानकारी दी कि मिड-डे-मील कार्यकताओं के लिए बीमा योजना प्रक्रिया अधीन है। प्रस्तावित योजना के तहत, मिड-डे-मील कार्यकताओं की दुर्घटना में मृत्यु होने के मामले में 16 लाख रुपए, प्राकृतिक मृत्यु के मामले में 1 लाख रुपए और दुर्घटना में जीवन साथी की मृत्यु के मामले में 2 लाख रुपए का बीमा उपलब्ध कराने के बारे में विचार किया जा रहा है।

कैबिनेट सब-कमेटी ने यूनियन को भरोसा दिया कि उनकी उठाई गई अन्य मांगों को भी जल्दी हल किया जाएगा।

'बेरोजगार साझा मोर्चा' और 'पुरानी पेंशन प्राप्ति फ्रंट' के प्रतिनिधियों के साथ बैठकों के दौरान कैबिनेट सब-कमेटी ने दोहराया कि पंजाब सरकार उनकी अधिकारिक मांगों और मुद्दों पर सक्रियता से काम कर रही है। कमेटी ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार प्रदेश की भलाई के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विभिन्न वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के बावजूद पंजाब सरकार युवाओं को रोजगार प्रदान करने और अपने कर्मचारियों की भलाई को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है।

इन बैठकों में कर्मचारियों की यूनियन के नेताओं के अलावा पावरकाम एंड ट्रांस्को ठेका मुलाजिम यूनियन पंजाब के प्रदेश प्रधान श्री बलिहार सिंह कटारिया, प्रदेश सहायक सचिव श्री टेक चंद, प्रदेश दफ्तर सचिव श्री शेर सिंह, डेमोक्रेटिक मिड-डे मील कुक फ्रंट पंजाब की प्रधान श्रीमती हरजिंदर कौर लोपो, श्रीमती परमजीत कौर, मिड-डे मील कुक वर्कर्स यूनियन से श्रीमती बलविंदर कौर, पुरानी पेंशन प्राप्ति फ्रंट से गुरबिंदर सिंह कहिरा, अतिंदरपाल सिंह, इंदर सुखदीप सिंह, दलजीत सिंह सफीपुर और रमन सिंहला, बेरोजगार साझा मोर्चा से हरजिंदर सिंह झुनीर, जसवंत घुबाया, सुखपाल खान और दविंदर कुमार उपस्थित थे।

पंजाब के 20,000 सरकारी स्कूलों में तृतीय अभिभावक-शिक्षक बैठक आज, 20 लाख से अधिक अभिभावक करेंगे भागीदारी

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने अभिभावकों को मेगा पी.टी.एम. में शामिल होने का दिया निमंत्रण

पंजाब सरकार द्वारा 22 अक्टूबर 2024 को राज्य भर के सरकारी स्कूलों में तृतीयअभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की जा रही है। इस बारे में जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में शिक्षक, विद्यार्थी, उनके अभिभावक, स्कूल प्रबंधन समितियां और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति मिलकर स्कूल शिक्षा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर चर्चा करेंगे।

हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि इस बैठक में शिक्षक और अभिभावक बच्चों की प्रगति के बारे में एक-दूसरे के साथ फीडबैक साझा करेंगे, ताकि यह समझा जा सके कि बच्चा स्कूल में क्या करता है और स्कूल के बाद उसकी गतिविधियाँ क्या होती हैं। इससे शिक्षकों को भी पता चलेगा और अभिभावक स्कूल की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अभिभावक बच्चों के भविष्य के बारे में सुझाव देने के साथ ही यदि कोई शिकायतें हैं, तो वह भी साझा कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का सपना है पंजाब को फिर से स्रंगला पंजाबस बनाना, जिसे साकार करने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि सितंबर महीने में हुई परीक्षाओं का परिणाम भी इस बैठक में अभिभावकों के साथ साझा किया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार और क्रांतिकारी बदलाव लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में पंजाब के 20,000 सरकारी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में 22 अक्टूबर 2024 को मेगा पी.टी.एम. आयोजित की जा रही है, जिसमें 20 लाख से अधिक अभिभावक भाग लेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने अभिभावकों से मेगा पी.टी.एम. में शामिल होने का निमंत्रण देते हुए कहा कि इस मेगा पी.टी.एम. में हिस्सा लेकर वे भी शिक्षा क्रांति का गवाह बनें। शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भी राज्य के किसी न किसी सरकारी स्कूल में इस मेगा पी.टी.एम. में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा राज्य के सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें कैंपस मैनेजर, सुरक्षा गार्ड, क्लासरूम, लैब्स, ग्राउंड, ट्रांसपोर्ट सेवा, स्कूल ऑफ एमिनेंस, और विद्यार्थियों की वर्दी जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।

प्रगति अधीन समूह विकास कार्य निर्धारित समय में पूरे किए जाएं: डॉ. रवजोत सिंह

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने समूह कमिश्नर नगर निगम, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नरों और कार्य साधक अधिकारियों को सूबे में चल रहे सभी प्रगति अधीन विकास कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए। यहां म्यूनिसिपल भवन में की गई बैठक के दौरान स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं मुहैया कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

डॉ. रवजोत सिंह ने आगे कहा कि दीवाली के मौके पर पंजाब के 19 जिलों अमृतसर, बठिंडा, फरीदकोट, फिरोजपुर, फाज़िल्का, श्री फतेहगढ़ साहिब, जालंधर, कपूरथला, लुधियाना, मानसा, मोगा, मलेरकोटला, पटियाला, पठानकोट, रूपनगर, संगरूर, श्री भगत सिंह नगर, एस ए एस नगर, तरनतारन में स्वच्छता पंदरवाड़ा 24 अक्टूबर से 7 नवंबर तक मनाया जा रहा है। इस स्वच्छता मुहिम का उद्देश्य सूबे के शहरों को साफ सुथरा बनाना है। उन्होंने कमिश्नरों और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नरों को कहा कि वे इस मुहिम के बारे में स्थानीय विधायकों और संगठनों के साथ तालमेल करें। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि वे भी इस सफाई मुहिम में हमारा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कोई भी काम आम जनता के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता है।

कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं जैसे कि 15वें वित्त आयोग की अनवरत राशि, केंद्र सरकार द्वारा स्पांसर की गई योजनाओं की अनवरत राशि और एस.एन.ए. खाते में बकाया फंडों के बारे में समीक्षा की और अधिकारियों को आदेश दिए कि विकास कार्यों के लिए अलॉट किए गए फंडों को जल्दी से जल्दी लोगों की भलाई के लिए खर्च किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अलॉट किए गए फंडों को निर्धारित समय सीमाओं के अंदर न खर्च करने पर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता को भी सुनिश्चित किया जाए। डॉ. रवजोत सिंह ने अधिकारियों के साथ शहरी स्थानीय इकाइयों में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए जगह की उपलब्धता के बारे में विस्तार से चर्चा की।

स्थानीय निकाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तेजवीर सिंह ने कहा कि शहरवासियों को साफ-सुथरा और प्रदूषण रहित वातावरण मुहैया कराना चाहिए। उन्होंने फील्ड अधिकारियों से कहा कि अपने अधीन आने वाले क्षेत्रों में रोजाना सफाई करवाई जाए। पी.एम.आई.डी.सी. के सी.ई.ओ दीप्ति उप्पल ने कहा कि आवश्यकता अनुसार समय-समय पर सीवरेज की सफाई को भी सुनिश्चित किया जाए ताकि सीवरेज ब्लॉक होकर गंदा पानी बाहर गलियों और सड़कों पर न आए। स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक गुरप्रीत सिंह खैहरा ने कहा कि कैबिनेट मंत्री के निदेशों पर यह समीक्षा बैठक निरंतर जारी रहेगी।

नमन

डीजीपी गौरव यादव ने लोगों से सभी बड़े/छोटे अपराधों के बारे में रिपोर्ट करने की अपील की, सीपीज/एसएसपीज को तुरंत एफ.आई.आर. दर्ज करने के आदेश

65वां पुलिस यादगार दिवस: डीजीपी गौरव यादव ने पुलिस शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

सिटी दर्पण
जालंधर

देश की एकता और अखंडता के लिए आतंकवादियों और अपराधियों का सामना करते हुए अपनी जानें कुर्बान करने वाले बहादुर पुलिस कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के मद्देनजर सोमवार को पंजाब आर्म्ड पुलिस (पी.ए.पी.) हेडक्वार्टर में 65वां राज्य स्तरीय पुलिस यादगार दिवस मनाया गया।

पुलिस के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पंजाब पुलिस के डायरेक्टर जनरल (डी.जी.पी.) गौरव यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस एक बेमिसाल फोर्स है, जिसने शांति और अस्थिरता के दौर में देश की सेवा की है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों ने देश की एकता और अखंडता को कायम रखने और लोगों को सुरक्षा देने के लिए अपनी जानें दी हैं। उन्होंने कहा कि सितंबर 1981 से अब तक पंजाब पुलिस के 1799 कर्मचारियों, जिनमें इस वर्ष के दो कर्मचारी भी शामिल हैं, ने अपनी जान देश के लिए दी।

देश के लिए अपनी जानें निछावर करने वाले शूरवीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद जन समूह को संबोधित करते हुए पंजाब पुलिस मुखी ने कहा कि इन शहीदों की बदौलत ही हम सभी आजाद फिजा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस अपनी बहादुरी, दलेरी और सफलतापूर्वक आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि को दुश्मनों से बचाने के लिए पंजाब पुलिस हमेशा दृढ़ और अग्रणी रहती है। डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस सीमावर्ती राज्य में अमन-शांति और भाईचारे को बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास करती रहेगी।

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि स्ट्रीट क्राइम और नशे की बिक्री दो गंभीर चुनौतियाँ हैं, जो सीधे तौर पर आम नागरिकों को प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट क्राइम से निपटने के लिए, अपराध मैपिंग का उपयोग करते हुए अपराध के हॉटस्पॉट्स की पहचान करने और ऐसे क्षेत्रों में पुलिस गश्त और तैनाती को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि इसी तरह नशे के जाल को तोड़ने के लिए लोगों के सहयोग से नशे के हॉटस्पॉट्स की पहचान की जा रही है और नशा बेचने वाली जगहों के बारे में सटीक और पुख्ता जानकारी प्राप्त करने के लिए सी.पी./एस.एस.पीज द्वारा सार्वजनिक बैठकें की जा रही हैं। डीजीपी ने कहा, रहमारी सबसे प्राथमिकता आम नागरिक हैं। हम यह पहचान कर रहे हैं कि उन्हें सबसे अधिक क्या प्रभावित करता है और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हम नियमित रूप से काम कर रहे हैं।र उन्होंने जोर देकर कहा कि हम पंजाब के लोगों को लोकपक्षी और प्रभावी पुलिस सेवाएँ देना चाहते हैं।

फिरौती कॉल के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस के विश्लेषण से पता चला है कि ऐसी कॉलों में से 80 प्रतिशत से अधिक कॉलें गैंगस्टर की आड़ में स्थानीय अपराधियों द्वारा की जाती हैं, जबकि 20 प्रतिशत से भी कम असली फिरौती कॉल होती हैं। उन्होंने लोगों से ऐसे अपराधों के बारे में तुरंत सूचित करने की अपील की और सीपीज/एसएसपीज को निर्देश दिया कि हर फिरौती कॉल या स्नैचिंग जैसे अन्य फुटकल अपराधों की तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए ताकि उनकी गहराई से जांच की जा सके।

उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ सक्रिय पहुँच अपनाई है, जिसके तहत यदि कोई अपराधी पुलिस टीम पर गोली चलाता है तो अधिकारियों/कर्मचारियों को आत्म-रक्षा में जवाबी कार्रवाई करने की छूट है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने पुलिस कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना भी शुरू की है, जिसके तहत प्रदेश भर के 300 अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया है, जहाँ पुलिस कर्मचारियों के लिए रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

समारोह के बाद, डीजीपी गौरव यादव ने शहीदों के परिवारों से भी मुलाकात की और उनकी बातें सहानुभूति से सुनते हुए उन्होंने शहीदों के परिवारों को पंजाब सरकार और पंजाब पुलिस की ओर से पूर्ण सहयोग और मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि हम अपने बहादुर जवानों की कुर्बानियों को व्यर्थ नहीं जाने देंगे और मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि पंजाब पुलिस सीमावर्ती राज्य में शांति और सद्भावना को सुनिश्चित करने के लिए पूरी लगन और तन्मयता से सेवा निभाती रहेगी।

इस दौरान पी.ए.पी. कैंपस में बने पुलिस शहीदी स्मारक पर यादगार परेड भी की गई। इसके उपरांत 75वीं बटालियन पीएपी जालंधर पंजाब के कमांडेंट विवेक शील सोनी ने इस वर्ष अमन-कानून के लिए ड्यूटी करते समय शहीद होने वाले कांस्टेबल अमृतपाल सिंह और पी.एच.जी. जसपाल सिंह सहित इस वर्ष शहीदी प्राप्त करने वाले 213 बहादुर पुलिस कर्मचारियों के नाम भी पढ़े। इस मौके शहीदों की याद में दो मिनट का मौन भी रखा गया और सीनियर अधिकारियों ने शहीदी स्मारक पर फूलमालाएँ अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी।

इस मौके पर उपस्थित प्रमुख शख्सियतों में स्पेशल डीजीपी, एडीजीपी, आईजीपी और अन्य सीनियर पुलिस अधिकारी/कर्मचारी शामिल थे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्योन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

धान और बाजरा खरीद के लिए किसानों को अब तक 4,783 करोड़ का किया जा चुका भुगतान

अब तक 31,22,866 मीट्रिक टन धान की हुई खरीद, 21,35,806 मीट्रिक टन धान का हुआ उठान

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा में खरीद विपणन सीजन 2024-25 के तहत खरीफ फसलों की खरीद सुगमता से जारी है। अब तक प्रदेशभर की मंडियों में 35 लाख 63 हजार मीट्रिक टन धान की आवक हो हुई है, जिसमें से खरीद एजेंसियों द्वारा 31,22,866 मीट्रिक टन धान की खरीद एमएसपी पर की जा चुकी है। धान खरीद के लिए किसानों को 4,314 करोड़ रुपये का भुगतान सीधा किसानों के खातों में किया जा चुका है। अब तक मंडियों से 21,35,806 मीट्रिक टन धान का उठान किया जा चुका है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार ऑनलाइन गेट पास की सुविधा मिलने से किसानों को अपनी फसल बेचने में काफी सुविधा हो रही है। सरकार द्वारा कॉमन धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड- ए धान का समर्थन मूल्य 2320 रुपए प्रति क्विंटल दिया जा रहा है।

विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अब तक खरीदी गई कुल 31,22,866 मीट्रिक टन धान में से कुरुक्षेत्र जिला में सबसे अधिक 7,19,497 टन धान की खरीद हुई है। इसके अलावा, कैथल जिला में 6,75,887 मीट्रिक टन, करनाल जिला में 6,26,219 मीट्रिक टन, अम्बाला जिला में 3,32,541 मीट्रिक टन, यमुनानगर जिला में 3,17,430 मीट्रिक टन, फतेहाबाद जिला में 1,93,373, जींद जिला में 1,01,912 मीट्रिक टन तथा पंचकूला जिला में 54,192 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। इसी प्रकार अन्य जिलों की मंडियों में भी आने वाली धान को खरीदा जा रहा है।

प्रवक्ता ने बताया कि धान के साथ-साथ अन्य खरीफ फसलों की खरीद का कार्य भी एमएसपी पर किया जा रहा है। प्रदेश में 1 अक्टूबर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बाजरे की खरीद भी जारी है। अब तक 3,44,795 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा जा चुका है। बाजरे की खरीद के लिए किसानों को 469 करोड़ रुपये का भुगतान सीधा उनके खातों में किया जा चुका है।

उन्होंने जानकारी दी कि महेंद्रगढ़ जिला में सबसे अधिक 91,563 मीट्रिक टन बाजऱा की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद की गई है। इसके अलावा, रेवाड़ी जिला में 82,300 मीट्रिक टन, भिवानी जिला में 50,805 मीट्रिक टन, गुरुग्राम जिला में 31,973 मीट्रिक टन, झज्जर जिला में 27,662 मीट्रिक टन, चरखी दादरी में 24,662 मीट्रिक टन तथा मेवात में 18,887 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की गई है।

शिक्षित समाज ही कर सकता है मजबूत राष्ट्र का निमार्ण: मोहनलाल बड़ौली

सिटी दर्पण
सोनीपत

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने गांव खेवड़ा स्थित मॉडल संस्कृति स्कूल में किया कमरों का शिलान्यास

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि शिक्षित समाज ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकता हैं। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को तमाम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। ताकि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न आए। प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने सोमवार को गांव खेवड़ा स्थित मॉडल संस्कृति स्कूल में नए कमरों का शिलान्यास किया।

प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक स्कूल में तमाम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सके। उन्होंने कहा कि अगर बच्चों को शिक्षा के लिए अच्छा वातावरण मिलेगा तो बच्चों का पढ़ाई में मन लगेगा। प्रदेश सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने या शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अध्यापकों से कहा कि बच्चों को शिक्षा को लेकर अगर स्कूल में किसी प्रकार की आवश्यकता है तो वे तुरंत उनसे संपर्क करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा है। शिक्षित व्यक्ति समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। बच्चों को पढ़ लिखकर परिवारिक जिम्मेवारियों के साथ सामाजिक जिम्मेवारी निभाते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष जसपाल आंतिल, खंड शिक्षा अधिकारी योगेश चंद्र, विद्यालय के प्रिंसिपल सुरेन्द्र कुमार, विनोद दहिया, जेई आशीष , मंडल अध्यक्ष अशोक कौशिक जाखौली, आनंद आंतिल, गुलाब सिंह, वीरसेन, अशोक अहलावत, प्रल्हाद, वीरेंद्र दहिया, सोमवीर, सरवर, वीरेंद्र ढाका, राजेश, बबीता, सविता, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अश्मित व सौम्या ने जीते स्वर्ण, वनिशा को रजत व रित्विक को मिला कांस्य पदक

सिटी दर्पण
सोनीपत

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) के खिलाड़ियों ने सोनीपत जिला सब जूनियर ताइक्वांडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक सहित कुल चार पदक हासिल कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया।

लड़कों के मुकाबले में अश्मित ने अंडर -41 किलो भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि अंडर -29 किलो में रित्विक ने कांस्य पदक जीता । वहीं, लड़कियों के मुकाबले में सौम्या ने अंडर - 21 किलो भार वर्ग में जोरदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि वनिशा ने अंडर -32 किलो में बेहतर प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया । स्कूल में वापस लौटने पर पदक विजेताओं का जोरदार स्वागत किया गया । विद्यालय के डायरेक्टर अंकित जैन व प्राचार्या गीता चोपड़ा ने पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। डायरेक्टर अंकित जैन ने बताया कि चारों पदक विजेता अब 25 - 27 अक्टूबर तक अंबाला में होने वाली हरियाणा स्टेट सब जूनियर ताइक्वांडो चैंपियनशिप में सोनीपत जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उन्होंने कहा कि अश्मित, सौम्या, वनिशा व रित्विक बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं । उन्हें पूरा भरोसा है की ये खिलाड़ी आगे चलकर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी पदक जीतकर कर स्कूल व सोनीपत जिले का नाम रोशन करेंगे ।

जगमोहन आनंद ने श्रवण एवं वाणी निशक्त बच्चों के साथ मनाया दीपावली उत्सव

सिटी दर्पण
करनाल

करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने श्रवण एवं वाणी निशक्त बच्चों के साथ दीपावली उत्सव मनाया। इस दौरान उनके साथ भाजपा के जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता, पूर्व मेयर रेनू बाला गुप्ता और हरियाणा श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण समिति, पंचकूला की चेयरपर्सन मेघा भंडारी भी शामिल हुईं।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके उपरांत वहां उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि यूं तो दीपावली मिलन समारोह व दीपावली उत्सव हम बहुत सी जगह मनाते हैं लेकिन इस स्कूल में इन बच्चों के साथ यह उत्सव मनाना अपने आप में खास है। उन्होंने कहा कि माता प्रकाश कौर कल्याण केंद्र न केवल बच्चों को शिक्षा दे रहा है बल्कि उन्हें जीवन जीने का हुनर भी सीखा रहा है। मुझे गर्व है कि यहां आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचा। उन्होंने कहा कि हरियाणा श्रवण एवं वाणी निशक्तजन कल्याण समिति बेहतर कार्य कर रही है। जब से मेघा भंडारी ने बतौर चेयरपर्सन कार्यभार संभाला है, निशक्तजन कल्याण समिति की कार्यप्रणाली और बेहतरीन हो गई है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी बच्चों को दीपों के त्यौहार दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

भाजपा के जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि श्रवण एवं वाणी दिव्यांगजनों के लिए माता प्रकाश कौर निःशक्तजन कल्याण केंद्र का योगदान अविस्मरणीय है। यह केंद्र वर्षों से इन दिव्यांग बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहा है, यह अपने आप में अतुल्य कार्य है। इस केंद्र के लिए बड़ी उपलब्धि यह भी है कि शिक्षा के साथ-साथ यहां अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों को दीपावली की हार्दिक बधाई दी।

हरियाणा श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण समिति, पंचकूला की चेयरपर्सन मेघा भंडारी ने कहा कि करनाल का माता प्रकाश कौर श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण केंद्र करनाल की समृद्ध विरासत है। वर्षों से यह केंद्र सेवारत है और दिव्यांगजनों के लिए कार्य कर रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक का हुआ आयोजन

रादौर। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक का आयोजन इंडियन पब्लिक स्कूल रादौर में किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मलखान सिंह लालछप्पर ने की। बैठक में जहां एसोसिएशन की मांगो पर चर्चा की गई वहीं कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा को शिक्षा मंत्री बनाये जाने व श्यामसिंह राणा को कृषि मंत्री बनाए मुख्यमंत्री नायब सैनी व पार्टी हाईकमान का आभार जताया। इस अवसर पर निर्णय लिया गया कि जल्द ही प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा से मिलकर एसोसिएशन की मांगे उनके समक्ष रखेगा और समस्याओं के समाधान की मांग करेगा। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मास्टर मलखान सिंह ने बताया कि प्रदेश में प्राइवेट स्कूल काफी लंबे समय से विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे है। अब नई सरकार के गठन के बाद एसोसिएशन को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनके मंत्रिमंडल से काफी उम्मीदे है कि यह सरकार प्राइवेट स्कूलों की सभी समस्याओं को जल्द ही दूर करेगी। ताकि प्रदेश के सभी प्राइवेट स्कूलों को इन समस्याओं से छुटकारा मिल सके। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में शिक्षा ग्रहण कर रहे लाखों बच्चों को सभी प्राइवेट स्कूल गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनके सवार्गीण विकास में सहयोग कर सके। इस अवसर पर नरेंद्र जगूडी, ईश मेहता, नरेंद्र फतेहगढ़, डा. सुदेश बसंल, संजय सैनी, अंकित कांबोज इत्यादि मौजूद रहे।

बच्चों ने हासिल किए स्वर्ण व रजत पदक

फतेहाबाद। जिला परिषद बाल कल्याण द्वारा 6वीं हरियाणा राज्य स्तरीय बाल भवन प्रतियोगिताओं का आयोजन पठियाना पब्लिक स्कूल, रोहतक में किया गया, जिसमें शांति निकेतन पब्लिक सीनियर सैकेंड्री स्कूल, ढ़िगसरा से विभिन्न बच्चों ने भाग लिया और राज्य स्तर पर प्रथम व तृतीय स्थान प्राप्त कर स्वर्ण व रजत पदक हासिल किया। यह बात स्कूल के प्रधानाचार्य श्री रणसिंह जी रेपस्वाल व डायरेक्टर श्री विजय सिंह बाघेला ने विजेता बच्चों को सम्मानित करने के दौरान कही। उन्होंने बताया कि अंडर-11 राज्य स्तरीय बाल भवन प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला रोहतक में किया गया था, जिसमें शांति निकेतन स्कूल से सोलो डांस में जानवी ने मानवी व नूतन के लाईव सॉग पर नृत्य कर पूरे हरियाणा राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके साथ ही 32 केजी रेसलिंग प्रतियोगिता में छात्रा अर्पिता ने पूरे हरियाणा राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक हासिल किया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय के बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत के आधार पर खंड, जिला व जोनल स्तर के साथ-साथ राज्य स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है, जो कि बडे. हर्षोल्लास का विषय है। उन्होंने कहा कि आज शांति निकेतन स्कूल खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शिक्षा में अग्रणी रहने के साथ-साथ बाल भवन प्रतियोगिताओं में भी पूरे हरियाणा में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने बच्चों से अपने अध्यापकों व अभिभावकों द्वारा बताए गए सद्मार्ग पर चलने के लिए आह्वान किया तथा संकल्प लेने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों के व्यक्तित्व का विकास होता है और बच्चों के मन की झिझक खुलती है। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे इस प्रकार के कार्यक्रमों में अधिक से अधिक हिस्सेदारी करके अपना हुनर का प्रदर्शन करते रहें तथा जीवन में कामयाबी प्राप्त करते रहें।

भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ की जाएगी कड़ी कार्यवाही: योगेन्द्र राणा

असंध/करनाल। असंध विधानसभा क्षेत्र से विधायक योगेन्द्र राणा ने आज पी. डब्ल्यू. डी. विश्राम गृह असंध में सभी अधिकारीगण के साथ बैठक की जिसमें उन्होंने असंध के विकास कार्यों को गति देने के लिए सभी रुके हुए कार्यों के बारे में जानकारी ली और विकास कार्य में गति प्रदान करने के निर्देश दिए। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि विकास परियोजनाएं समय पर पूरी हो. साथ ही उन्होंने पराली प्रबंधन पर भी किसानों से बैठकर चर्चा करने की बात कही है। असंध विधायक योगेन्द्र राणा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी को भाजपा के संकल्प पत्र के प्रारंभिक बिंदुओं में प्रदेश की आधी आबादी महिलाओं को लेकर कल्याणकारी योजनाएं लागू करने की थी, जिसमें महिला उत्थान को लेकर 2100 रुपये और बेटियों को स्कूल उपलब्ध करवाने जैसी घोषणाओं के काम को आगे बढ़ाया जाएगा। इस मौके पर विधायक योगेन्द्र राणा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बैठक कर विभिन्न विभागों के चल रहे विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को अधिकारी तीव्र गति से आगे बढ़ाएं तथा सभी अधिकारियों को हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जीरो टॉलरेंस की नीति को आगे बढ़ाते हुए अधिकारियों को काम करना है। उन्होंने कहा कि सभी को अपने कामों को ईमानदारी से करते हुए विकास करना है और अगर भ्रष्टाचार की शिकायत पाई गई तो ऐसे अफसरों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

परिवार, समाज व देश के भविष्य को खतरे में डालता है नशा: डीएसपी कुलदीप बेनीवाल

कैथल। जिला पुलिस की ओर से नशा मुक्त भारत पखवाड़े अंतर्गत एसपी राजेश कालिया के निदेर्शानुसार नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने तथा खेलों से जोड़ने के लिए खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है। अभियान के माध्यम से पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत कराना तथा नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है। डीएसपी गुहला कुलदीप बेनीवाल ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा, जो देश के भविष्य है। नशा परिवार, समाज सहित देश के भविष्य को खतरे में डालता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के सार्थक परिणाम सामने आ रहे है तथा जिले के अनेक युवा खेलों की ओर आकर्षित हो रहे है। जिला पुलिस से नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर सिंह,एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला रितु तथा होमगार्ड शमशेर द्वारा सोमवार को पीडल, गोहरां, खेड़ी गुलाम अली, पहाड़पुर, अगौंध, खरकां समाधा, सीवन में विभिन्न जगह पर युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम की ओर से आमजन को नशा न करने के बारे में जागरूक किया गया तथा नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई। टीम ने बताया कि सभी लोग इस अभियान से जुड़े।

स्कूल सेफ्टी को लेकर कार्यशाला आयोजित

सिटी दर्पण
करनाल

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के निदेर्शानुसार जिला बाल संरक्षण कार्यालय द्वारा स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम, किशोर न्याय अधिनियम तथा पोक्सो एक्ट को लेकर सोमवार को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, तथा राजकीय मॉडल संस्कृति, वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, निसिंग में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य मांगे राम तथा मीना कुमारी द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की गई।

कार्यशाला के दौरान बच्चों की सुरक्षा को लेकर कार्य करने वाले विभिन्न विभागों जैसे बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, स्कूल के अध्यापक तथा स्कूल के बच्चों द्वारा भाग लिया गया। मीना कुमारी द्वारा बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए किशोर न्याय अधिनियम तथा पोक्सो एक्ट तथा स्कूल सेफ्टी के लिए जारी की गई गाइडलाइन के बारे में जानकारी दी गई। उनके द्वारा बताया गया कि 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों के साथ यदि कोई व्यक्ति यौन शोषण करता है तो उसकी रिपोर्ट पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, सम्बन्धित पुलिस थाना, जिला बाल संरक्षण कार्यालय, बाल कल्याण समिति में कर सकते हैं।

स्कूल सेफ्टी की हिदायतों के अनुसार प्रत्येक स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे होने चाहिए, शिकायत पेटी होनी चाहिए ताकि किसी बच्चे को कोई समस्या है और वह सामने आकर अपनी समस्या के लिए बातचीत करने में संकोच करता है तो वह अपने मन की बात शिकायत पेटी के माध्यम से रख सकता है ताकि बच्चे की समस्या का समाधान हो सके । हिदायतों अनुसार प्रत्येक सप्ताह में स्कूल की सुरक्षा कमेटी द्वारा शिकायत पेटी को खोल कर उसमे पाई जाने वाली शिकायत का समाधान करना है।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी रीना रानी द्वारा बच्चों को गुडटच व बेड टच के बारे में जानकारी दी तथा विभाग द्वारा चलाई जा रही स्पॉन्सरशिप स्कीम के बारे में बच्चों को जानकारी दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस पर नेहरू युवा केंद्र यमुनानगर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सिटी दर्पण
यमुनानगर

नेहरू युवा केंद्र, यमुनानगर ने अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम रादौर ब्लॉक के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जठलाना में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपदाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समुदाय को विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव के उपायों के प्रति शिक्षित करना था।

कार्यक्रम का समन्वय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कार्यक्रम अधिकारी प्रशांत शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने आपदाओं के प्रकार, उनके प्रभाव और उनसे निपटने के उपायों पर एक विचारोत्तेजक भाषण दिया। उन्होंने बताया कि यमुनानगर और आसपास के क्षेत्रों में मुख्यतः बाढ़, भूकंप और आग जैसी प्राकृतिक और मानव जनित आपदाएं होती हैं, जिनसे निपटने के लिए हमें पूर्व तैयारी और सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों और उपस्थित समुदाय को जागरूक करते हुए कहा कि आपदाओं के समय त्वरित और सही निर्णय लेने की क्षमता जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण होती है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में नेहरू युवा केंद्र, यमुनानगर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक शिखा देवी और रिंकी रानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य और शिक्षक वर्ग ने इस आयोजन की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों में न केवल आपदाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें सामुदायिक सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति भी प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर बच्चों ने भी आपदा प्रबंधन पर आधारित छोटे नाटकों का मंचन किया, जिसमें आपदा के समय किस प्रकार के कदम उठाने चाहिए, इसका जीवंत प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कहा-अधिकारी-कर्मचारी घर-घर जाकर करे प्रॉपर्टी आईडी की शिकायतों का निपटारा

समाधान शिविर के नाम पर एक बार फिर लोगों को कतार में लगाना चाहती है सरकार: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा सरकार अपने पुराने मोड में ही चल रही है, वह नया कुछ करती दिखाई नहीं दे रही है, पहले की तरह समाधान शिविर का आयोजन कर प्रदेश की जनता को कतार में खड़ा करना चाहती है। अगर सरकार ईमानदारी से प्रॉपर्टी आईडी की शिकायतों का समाधान करना चाहती है तो अधिकारियों-कर्मचारियों को घर-घर जाकर काम करना होगा क्योंकि सरकार ने जिस एजेंसी से प्रोपर्टी सर्वे करवाया था वह फर्जी ही साबित हुआ, सरकार ने इसके बावजूद कंपनी को भुगतान कर दिया।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को 22 अक्टूबर से नगर निकायों में समाधान शिविर शुरू करने के निर्देश दिए. समाधान शिविर के अंतर्गत सुबह 9 से 11 बजे तक सभी अधिकारी कार्यालय में बैठकर आमजन की प्रॉपर्टी आईडी और स्वामित्व से संबंधित समस्याओं का समाधान करेंगे।

उन्होंने कहा कि इससे साफ जाहिर है कि सरकार पुराने मोड में ही चल रही है नया कुछ नहीं कर रही है। अब सरकार नगर पालिका, परिषद और निगम कार्यालयों में ऐसे शिविर आयोजित कर प्रोपर्टी आईडी और खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में स्वामित्व संबंधी समस्याओं का समाधान करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी आईडी लागू करने की मांग जनता की ओर से कभी नहीं की गई, सरकार ने अपनी ओर से इसे लागू किया। इस योजना से लोगों को लाभ मिलना तो दूर उसके गले की फांस बन गई।

उन्होंने कहा कि सरकार ने याशी कंपनी से सर्वे करवाया था, कंपनी ने 88 शहरों में 4270449 प्रॉपर्टी का सर्वे किया। टेंडर की शर्त थी कि कंपनी नगर पालिका सचिव, परिषद के ईओ से मौका पर सत्यापन करवाएगी तभी भुगतान होगा। उन्होंने कहा कि कंपनी के सर्वे में 95 प्रतिशत त्रुटियां पाई गई बावजूद इसके कंपनी को 57.55 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। कुमारी सैलजा ने कहा कि उन्होंने सर्वे को लेकर जो बात उठाई थी वह बाद में सच साबित हुई। उन्होंने कहा कि गलती कंपनी ने की जिसका खामियाजा लोगों को आज भी भुगतना पड़ रहा है। लोग प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए कई कई माह तक चक्कर काटते रहे है, जिसने सुविधा शुल्क दिया उसी की ठीक की गई। इसके समाधान के लिए सरकार की ओर से पहले भी शिविर लगाए गए थे पर समाधान फिर भी नहीं हुआ।

परिवार, समाज व देश के भविष्य को खतरे में डालता है नशा: डीएसपी कुलदीप बेनीवाल

सिटी दर्पण
कैथल

आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक करने के साथ नशा ना करने के शपथ दिलवा रही पुलिस

जिला पुलिस की ओर से नशा मुक्त भारत पखवाड़े अंतर्गत एसपी राजेश कालिया के निदेर्शानुसार नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने तथा खेलों से जोड़ने के लिए खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है। अभियान के माध्यम से पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे की बुराइयों से अवगत कराना तथा नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्यधारा में जोड़ना है।

डीएसपी गुहला कुलदीप बेनीवाल ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति का अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति अपने साथ साथ पूरे परिवार का जीवन खराब कर देता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले युवा पीढ़ी को नशे से बचाना होगा, जो देश के भविष्य है। नशा परिवार, समाज सहित देश के भविष्य को खतरे में डालता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के सार्थक परिणाम सामने आ रहे है तथा जिले के अनेक युवा खेलों की ओर आकर्षित हो रहे है। जिला पुलिस से नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर सिंह,एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला रितु तथा होमगार्ड शमशेर द्वारा सोमवार को पीडल, गोहरां, खेड़ी गुलाम अली, पहाड़पुर, अगौंध, खरकां समाधा, सीवन में विभिन्न जगह पर युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

संपादकीय

भविष्य में गर जल प्रबंधन पर गौर नहीं किया तो भुगतने पड़ सकते हैं भयावह परिणाम

वैश्विक जल संकट की चेतावनी को लेकर 'ग्लोबल कमिशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वाटर' की हाल की रिपोर्ट ने तहलका मचा दिया है। इस रिर्पोट में कहा गया है कि वर्ष 2030 तक मांग आपूर्ति से 40% अधिक होने का अनुमान है, जिससे खाद्य उत्पादन और अर्थव्यवस्थाओं को खतरा होना यकीनन है। गौरतलब है कि भारत जो पहले से ही अंतर-राज्यीय जल विवादों और संरक्षण चुनौतियों से जूझ रहा है, यह रिपोर्ट जल संकट को दूर करने के लिये निर्णायक नीति सुधारों की तत्काल आवश्यकता को बताती है। गर हम देश में मौजूदा जल उपलब्धता और जल तनाव स्तर की स्थिति की बात करें तो भारत में औसत वार्षिक प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता वर्ष 2001 में 1,816 घन मीटर से घटकर 2011 की जनगणना के अनुसार 1,545 घन मीटर हो गई। केंद्रीय जल आयोग के अनुमानों के अनुसार वर्ष 2025 तक जलस्तर और घटकर 1,434 घन मीटर तथा वर्ष 2050 तक 1,219 घन मीटर हो जाएगा। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता 1,700 घन मीटर से कम होना 'जल तनाव' को दशार्ता है, जबकि 1,000 घन मीटर से कम होना 'जल की कमी' को दशार्ता है। मौजूदा हालात में भारत जल संकट का सामना कर रहा है तथा भौगोलिक और जलवायु संबंधी विविधता के कारण क्षेत्रीय असमानताएँ उत्पन्न हो रही हैं। 15वें वित्त आयोग के अनुसार, वर्ष 2020 में लगभग 600 मिलियन भारतीयों को उच्च से लेकर चरम जल तनाव का सामना करना पड़ा। हमारे देश में जल-संबंधी कई चुनौतियाँ हैं जिनमें भूजल की कमी, शहरी जल संकट, सिंचाई दक्षता और कृषि जल उपयोग, जल प्रदूषण और नदी पुनरुद्धार, जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, विखंडित शासी तंत्र और खराब समन्वय, अंतर-राज्यीय जल विवाद, अंतर्राष्ट्रीय जल बँटवारे की चुनौतियाँ किसी से छिपी नहीं हैं। हालांकि सरकार ने जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के लिये कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं इनमें राष्ट्रीय जल नीति (वर्ष2012), जल शक्ति अभियान, मनरेगा, अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, अटल भूजल योजना, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा शहरी दिशा-निर्देश, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मिशन अमृत सरोवर, राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण तो हैं मगर ये नाकाफी मालूम पड़ती हैं। हम भी भी अधिक प्रभावी जल प्रबंधन कर सकते हैं बशर्ते इसके लिए सिंचाई प्रणालियों का आधुनिकीकरण, शहरी जल प्रबंधन और पुनर्चक्रण, समुदाय-आधारित भूजल प्रबंधन, जल-संवेदनशील अवसंरचना डिजाइन, जल भंडारण और पुनर्भरण में वृद्धि पर गौर करें। भारत के मानसून पर निर्भर जल चक्र को देखते हुए, जल भंडारण में सुधार करना महत्त्वपूर्ण है। इसका अर्थ आवश्यक रूप से बड़े बाँध नहीं है, बल्कि छोटे, विकेंद्रित भंडारण संरचनाओं का एक नेटवर्क है। राजस्थान के जल स्वावलंबन अभियान की सफलता, जिसके तहत अनेक छोटी जल संचयन संरचनाएँ बनाई गईं, इस दृष्टिकोण की क्षमता को प्रदर्शित करती है। इससे भूजल का पुनर्भंडारण करने और शुष्क क्षेत्रों में जल की उपलब्धता में सुधार करने में मदद मिली है। साइट चयन और डिजाइन के लिये आधुनिक तकनीक के साथ पारंपरिक जल संचयन विधियों को मिलाकर देश भर में एक सुदृढ़, स्थानीय रूप से अनुकूलित जल भंडारण नेटवर्क बनाया जा सकता है। इसी प्रकार डेटा-संचालित जल प्रबंधन भी खासा जरूरी है। जल प्रबंधन में रियल टाइम मॉनिटरिंग और डेटा-संचालित निर्णय लेने के लिये प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना आवश्यक है। विश्व बैंक द्वारा समर्थित राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना ने ऐसी प्रणालियाँ शुरू की हैं जो जलाशय प्रबंधकों को सटीक, रियल टाइम जानकारी देती हैं। इसे सभी प्रमुख जल निकायों तक विस्तारित करने तथा इसे ए आई और मशीन लर्निंग के साथ एकीकृत करने से जल प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है। उदाहरण के लिये, बोरवेल की निगरानी के लिये बंगलुरु में आई ओ टी उपकरणों के उपयोग से जल वितरण दक्षता में सुधार हुआ है। ऐसी प्रणालियों के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन से अधिक संवेदनशील और कुशल जल प्रबंधन हो सकता है। स्मार्ट जल मूल्य निर्धारण सुधार: उपलब्धता, गुणवत्ता और उपयोग पैटर्न के आधार पर गतिशील जल मूल्य निर्धारण लागू करना। सिंगापुर के स्तरीय मूल्य निर्धारण मॉडल को अपनाया जा सकता है। वास्तविक समय मूल्य निर्धारण को लागू करने के लिये ए आई-संचालित विश्लेषण के साथ स्मार्ट मीटर का उपयोग किये जाने चाहिये। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी सहायता के साथ सख्त औद्योगिक जल पुनः उपयोग आवश्यकताओं को लागू किये जाने चाहिये। संक्रमण के लिये तकनीकी सहायता और वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किये जाने चाहिये। उद्योगों और कृषि के बीच जल पुनः उपयोग बाजार स्थापित किये जाने चाहिये। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी सहायता के साथ सख्त औद्योगिक जल पुनः उपयोग आवश्यकताओं को लागू किये जाने चाहिये। संक्रमण के लिये तकनीकी सहायता और वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किये जाने चाहिये। उद्योगों और कृषि के बीच जल पुनः उपयोग बाजार स्थापित किये जाने चाहिये। जल संकट की तात्कालिकता भारत सरकार से निर्णायक कार्रवाई और जल प्रबंधन प्रथाओं को बेहतर बनाने के लिये सामूहिक प्रयास की मांग करती है। प्रभावी शासन, सामुदायिक भागीदारी और तकनीकी प्रगति पर जोर देना वर्तमान जल-संबंधी बाधाओं को दूर करने और देश के लिये एक अनुकूल जल प्रबंधन फ्रेमवर्क को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण होगा। यह सतत विकास लक्ष्य 6 (एस डी जी 6) के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य सभी के लिये जल और स्वच्छता की उपलब्धता एवं संधारणीय प्रबंधन सुनिश्चित करना है।

आज का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र का तनाव दूर होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनन्द उठायेंगे। यात्रा को लेकर अपनी योजना बदल सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को मीडिया में प्रसिद्धि मिल सकती है। समझदारी पूर्वक लिये गये निर्णय भविष्य के लिये लाभकारी सिद्ध होंगे।

वृषभ: कुछ लोग आपकी खुशियों और सफलता से ईर्ष्या करेंगे। रक्तचाप के रोगियों को थोड़ी भी असहजता महसूस हो तो कृपया तुरन्त चिकित्सक से सम्पर्क करें। स्वभाव में कुछ उग्रता हो सकती है। महिला वर्ग अपने काम को लेकर कुछ तनाव में हो सकता है।

मिथुन: परिजनों के व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बहनों के मध्य प्रेम भाव बढ़ेगा। आय के वैकल्पिक स्रोतों पर काम शुरू कर सकते हैं। महिलाओं को यात्रा आदि के दौरान कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों के ऊपर से काम का बोझ कम होगा।

कर्क: कार्यक्षेत्र की चिन्ता को लेकर घर के मामलों के बीच न आने दें। व्यापार को गतिशील रखने के लिये बड़ा निवेश करना पड़ेगा। घर के लोगों से नाराजगी हो सकती है। माइग्रेन के रोगियों को भोजन समय पर कर लेना चाहिये। मित्रों के साथ अनबन होने की सम्भावना बन रही है।

सिंह: स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर रहेगा। व्यर्थ के कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। नयी सम्पत्ति की खरीदी करेंगे। घर का माहौल सकारात्मक रहेगा। लोग आपसे सलाह लेना पसंद करेंगे। जीवनसाथी के साथ एकान्त में समय बिताने की कोशिश करें।

कन्या: व्यवसाय में आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। इस मेहनत का परिणाम सार्थक ही होगा। घर में परिजनों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। भाई-बहन के द्वारा उपहार प्राप्त हो सकता है। शाम को पिता के साथ महत्वपूर्ण चर्चा कर सकते हैं।

तुला: समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बड़े अनुबन्ध प्राप्त हो सकते हैं। युवा अपने करियर को लेकर काफी सतर्क रहेंगे। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों को छुट्टी मिल सकती है। आप सबके साथ प्रेमपूर्वक बर्ताव करेंगे जिससे सबके चहेते बन जायेंगे।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में कठिनाई होगी। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का प्रयोग सावधानी से करें। रेस्टोरेन्ट और केटरिंग के व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपनी गुणवत्ता का ध्यान रखना चाहिये। जीवनसाथी से कोई बात न छिपायें। भोजन की गुणवत्ता का ध्यान रखें।

धनु: विद्यार्थी शिक्षा में शानदार परिणाम अर्जित करेंगे। तय समय पर अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लेंगे। नव विवाहित कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा। लवमेट्स आज विवाह को लेकर चर्चा कर सकते हैं। व्यापार में अचानक धन लाभ मिलेगा।

मकर: समय का भरपूर सदुपयोग करेंगे। धन के लेनदेन में चूक हो सकती है। आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। व्यक्तिगत समस्याओं का असर आपके प्रोफेशनल जीवन पर न पड़ने दें। पुरानी सम्पत्ति के विक्रय के अचानक योग बन रहे हैं।

कुंभ: पति-पत्नी आज काफी रोमांटिक मूड में रहेंगे। व्यापार में आप कुछ नया प्रयोग कर सकते हैं। बच्चों की खुशी के लिये उनको उपहार देंगे। घर में मेहमान आ सकते हैं। हास्य-विनोद युक्त चचाओं का आनन्द उठायेंगे। परिजन आपका सम्मान करेंगे।

मीन: आज आपको लम्बी यात्रा करने से बचना चाहिये। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दूसरों के कार्यों में अनर्गल हस्तक्षेप न करें। कोई महत्वपूर्ण कार्य स्थगित हो सकता है। अपनी क्षमताओं का दुरुपयोग न करें। वैवाहिक सम्बन्धों को लेकर थोड़े भावुक रहेंगे।

इस राज्य में हैं सबसे ज्यादा मंदिर

सबसे ज्यादा मंदिरों की बात की जाए। तो वह दक्षिण भारत में है। दक्षिण भारत के राज्य तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मंदिर है। एक अनुमान के मुताबिक तमिलनाडु में 40,000 के करीब मंदिर मौजूद हैं। भारत में कई धर्मो के लोग रहते हैं। जिनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई, जैन, पारसी और अन्य धर्म शामिल हैं। इन सब में सबसे ज्यादा संख्या है हिंदु धर्म को मानने वालो लोगों की। भारत में करीब 97 करोड़ हिंदू धर्म के लोग रहते हैं। जो भारत की कुल जनसंख्या के 79% है। इसलिए भारत में मंदिर भी बहुत है। कुछ मंदिर तो सदियों पुराने हैं। जिनका का अपना इतिहास है। वहीं कुछ मंदिर नए भी बनाए जा रहे हैं। क्या आपको पता है भारत के किस राज्य में सबसे ज्यादा मंदिर है। आइये जानते हैं।

तमिलनाडु में हैं सबसे ज्यादा मंदिर

दक्षिण में लोग काफी धार्मिक स्वभाव के होते हैं। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश में मौजूद तिरुपति बालाजी मंदिर हिंदुओं का काफी बड़ा श्रद्धा स्थल है। करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु वहां पहुंचते हैं। यह मंदिर भारत के सबसे अमीर मंदिरों में गिना जाता है। यहां श्रद्धालु भक्तजन बड़ी मात्रा में चढ़ावा देते हैं। सबसे ज्यादा मंदिरों की बात की जाए। तो वह भी दक्षिण भारत में ही है। दक्षिण भारत के राज्य तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मंदिर है। एक अनुमान के मुताबिक तमिलनाडु में 40,000 के करीब मंदिर मौजूद है। जिनमें से कई मंदिर कई सौ साल पुराने हैं। इसी के चलते तमिलनाडु को मंदिरों का राज्य भी कहा जाता है।

यह प्रसिद्ध मंदिर हैं मौजूद

तमिलनाडु में बहुत से प्रसिद्ध मंदिर मौजूद हैं। जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु जाते हैं। मदुरै में स्थित मीनाक्षी मदुरै मंदिर काफी मशहूर है। इस मंदिर का इतिहास 3,500 साल पुराना बताया जाता है। यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती का है। रामेश्वरम में स्थित रामनाथ स्वामी मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए खास महत्व रखता है। यहां 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग मौजूद है। इसके साथ ही चिदंबरम में स्थित नटराज मंदिर तो चेन्नई में स्थित कपालीश्वर मंदिर भी श्रद्धालुओं की भक्ति का मुख्य केंद्र है।

श्रीकृष्ण के ये उपदेश तनाव को दूर करने में करेंगे आपकी मदद, जीवन होगा सकारात्मक

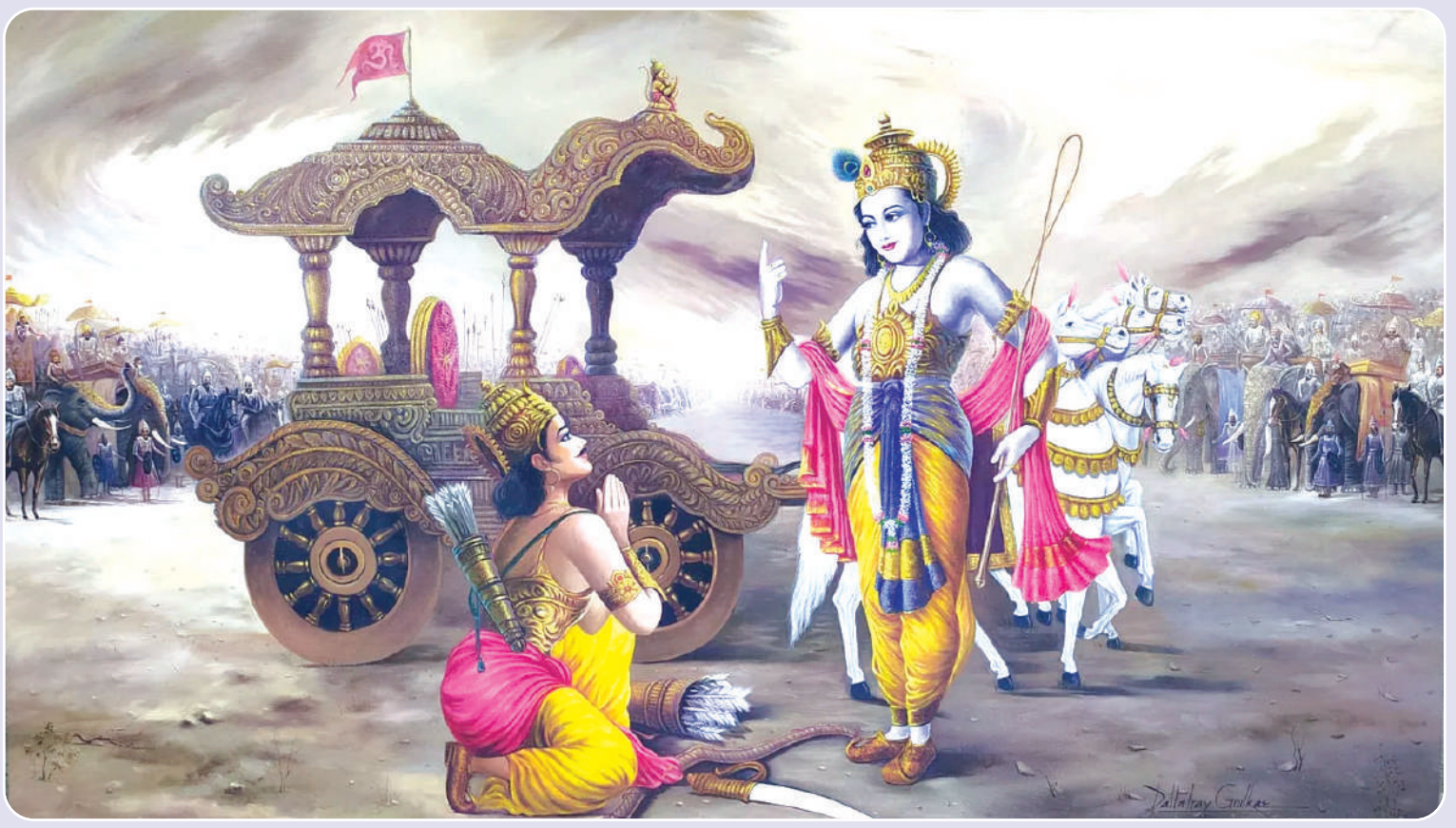

जीवन में उतार चढ़ाव आते रहते हैं। कभी-कभी मुश्किल के समय में व्यक्ति को कोई रास्ता नजर नहीं आता और ऐसे में मन उदास हो जाता है। ऐसे में लोगों का मन अशांत रहने लगता है और कई बार तनाव या अवसाद जैसी समस्या भी होने लगती है। ऐसे में यदि आप भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों का स्मरण करते हैं, तो आप खुद को तनाव से दूर रख सकते हैं। श्रीमद्भागवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों का वर्णन किया गया है, जिसे श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के दौरान अर्जुन से कहा था। श्रीकृष्ण के ये उपदेश मनुष्य को जीवन जीने का सही तरीका सिखाते है। गीता में जीवन की हर एक समस्या का समाधान मिल जाता है। इसलिए जब कभी भी आप खुद को मुश्किल या परेशानी से घिरा पाएं तो गीता के इन उपदेश को जरूर याद रखना चाहिए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही गीता के अनमोल उपदेशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो व्यक्ति के जीवन से तनाव को कम करते हैं।

तनाव से मुक्त रखते हैं गीता के ये उपदेश

- जिंदगी में तनाव मुक्त रहने के लिए सबसे पहले श्रीकृष्ण की ये बात जरूर गांठ बांध लें, कि भविष्य की चिंता व्यर्थ और वर्तमान में जीना सर्वोचित है। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि बीते हुए कल और आने वाले कल के बारे में सोचकर कुछ हासिल नहीं किया जा सकता है। इससे केवल आपका मन अशांत रहता है। वर्तमान में अच्छे कर्म करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।। इससे आपका भविष्य अपने आप बेहतर हो जाएगा।
- दरअसल हमारा मन ही हमारे दुखों का कारण होता है। श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि जिस व्यक्ति ने अपने मन पर काबू पा लिया वह व्यर्थ की चिंता और इच्छाओं से भी मुक्त हो जाता है। ऐसा व्यक्ति अपने लक्ष्य पर भी आसानी ध्यान केंद्रित कर सकता है और उसे हासिल कर सकता है।
- कोई भी व्यक्ति पूरी तरह से परफेक्ट नहीं होता। हर किसी से कभी न कभी गलतियां होती हैं। ऐसे में अपनी गलतियों और हार से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इससे निराश होकर मन को दुखी नहीं करना चाहिए। इससे किसी भी समस्या का हल नहीं होता, बल्कि आप परेशान होने लगते हैं।
- कभी भी अपनी तुलना किसी अन्य व्यक्ति से न करनी चाहिए। श्रीकृष्ण कहते हैं कि जो व्यक्ति अपनी तुलना दूसरों से करता है वह कभी खुश नहीं रहता। आप जैसे हैं वैसे ही खुद को स्वीकार करना चाहिए।
- गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि मनुष्य को खुद को ईश्वर में लीन कर देना चाहिए। पूरे जग में भगवान के सिवाय मनुष्य का कोई नहीं होता। मनुष्य को हमेशा यह मान कर कर्म करना चाहिए कि वह भी किसी का नहीं है।

जब तक पाकिस्तान आतंकी हमले बंद नहीं करता, तब तक उससे बातचीत नहीं होनी चाहिए: फारूक अब्दुल्ला

गांदरबल जिले में एक निर्माण स्थल पर हुए आतंकवादी हमले पर की टिप्पणी

एजेंसी
श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि अगर इस्लामाबाद भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहता है तो उसे यहां आतंकवादी घटनाएं रोकनी होंगी। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि जब तक पड़ोसी देश जम्मू-कश्मीर में हत्याएं बंद नहीं करता, तब तक भारत और पाकिस्तान के बीच कोई बातचीत नहीं हो सकती। अब्दुल्ला ने रविवार को गांदरबल जिले में एक निर्माण स्थल पर हुए आतंकवादी हमले पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कि भारत को क्या कदम उठाना चाहिए, यह केंद्र सरकार का अधिकार क्षेत्र है। यह हमारे लिए एक समस्या है और हम इसे वर्षों से

गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माण स्थल पर हुए आतंकवादी हमले में एक स्थानीय चिकित्सक और छह गैर स्थानीय श्रमिकों की मौत तथा पांच अन्य लोग हुए घायल

झेल रहे हैं। मैं इसे 30 वर्ष से देख रहा हूं। मैंने उन्हें कई बार कहा है कि वे इसे रोकें लेकिन उनकी सोच ही ऐसी है।' उन्होंने कहा, 'बातचीत कैसे हो सकती है? आप हमारे निर्दोष लोगों को मारते हैं और फिर बातचीत के लिए कहते हैं। पहले हत्याएं करना बंद करो।' पूर्व मुख्यमंत्री ने इस हमले को दर्दनाक घटना बताते हुए कहा कि इसमें यहां आजीविका कमाने आए गरीब लोग मारे गए। अब्दुल्ला ने कहा, 'यह बहुत ही दर्दनाक घटना है। गरीब मजदूर यहां आजीविका के लिए आते हैं ताकि वे अपने परिवारों का पेट भर सकें। इन दरिंदों ने उनकी हत्या कर दी। उनके साथ मारे गए लोगों में हमारा एक चिकित्सक भी था। उसने भी अपनी जान गंवा दी।' गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर हुए आतंकवादी हमले में एक स्थानीय चिकित्सक और छह गैर स्थानीय श्रमिकों की मौत हो गयी तथा पांच अन्य लोग घायल हो गए। अब्दुल्ला ने कहा कि यदि आतंकवादी सोचते हैं कि वे इस तरह के कृत्यों से जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी हुकूमत स्थापित कर लेंगे तो यह उनकी गलतफहमी है। नेकां अध्यक्ष ने कहा, 'इन दरिंदों को क्या मिलेगा? क्या वे सोचते हैं कि वे यहां पाकिस्तान स्थापित करेंगे? हम कई वर्षों से देख रहे हैं कि वे (आतंकवादी) वहां से आ रहे हैं। हम इस समस्या को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम अपनी मुश्किलों से बाहर आ सकें। मैं पाकिस्तान के शासकों से कहना चाहता हूं कि अगर वे वास्तव में भारत के साथ दोस्ती चाहते हैं तो उन्हें यह बंद कर देना चाहिए। कश्मीर, पाकिस्तान (का हिस्सा) नहीं बनेगा।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को कश्मीर के लोगों को शांति और सम्मान से रहने देना चाहिए तथा उसे अपने देश के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, 'कृपया हमें सम्मान के साथ जीने दीजिए, हमें विकास करने दीजिए। आप हमें कब तक दुखी करेंगे? आपने 1947 में कबायली हमलावरों को भेजकर और निर्दोष लोगों को मारकर इसकी शुरूआत की थी। क्या आप यहां पाकिस्तान बनाने में सफल रहे? अगर आप 75 साल में सफल नहीं हुए, तो अब कैसे सफल होंगे?' उन्होंने कहा, 'अल्लाह के लिए अपने देश का ख्याल रखें और विकास पर ध्यान दें तथा हमारी चिंता न करें। हम यहां गरीबी और बेरोजगारी को खत्म करना चाहते हैं। आतंकवाद के जरिए इसे हासिल नहीं किया जा सकता।' अब्दुल्ला ने कहा कि इस हमले का असर जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'अगर यह (रक्तपात) जारी रहा तो हम कैसे प्रगति करेंगे? समय आ गया है कि उन्हें इसे रोकना चाहिए अन्यथा बाद में इसके परिणाम कठोर होंगे।'

गांदेरबल में जान गंवाने वाले श्रमिकों की मौत का सुरक्षा बल बदला लेंगे : एलजी

एजेंसी
श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि सुरक्षा बल गांदेरबल में हुए क्रूर आतंकी हमले में जान गंवाने वाले श्रमिकों की मौत का बदला लेंगे और ऐसी कार्रवाई करेंगे जिसे आतंकवादी भविष्य में भी याद रखेंगे।

सिन्हा ने मृतकों के लिए न्याय की जरूरत रेखांकित की तथा पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि वह क्षेत्र में शांति भंग करने के लिए अभी भी निर्दोष लोगों की हत्या करने का प्रयास कर रहा है। गांदेरबल जिले के गुंड में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए आतंकवादी हमले में कश्मीर के एक डॉक्टर और छह गैर-स्थानीय मजदूरों सहित सात लोगों की जान चली गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सिन्हा ने कहा, श्रमिकों के खिलाफ हुए क्रूर और बर्बर हमले का बदला लिया जाएगा। मैंने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सुरक्षा बलों से ऐसी कार्रवाई करने को कहा है जिसे आतंकवादी और उनके सहयोगी भविष्य में भी याद रखेंगे। इससे पहले एक समारोह को संबोधित करते हुए

उपराज्यपाल ने कहा, हम कल के कायरतापूर्ण हमले को नहीं भूलेंगे। एलजी ने कहा, 'पड़ोसी देश से अभी भी खतरा बना हुआ है। यह अब भी इस क्षेत्र में निर्दोष लोगों को मारने और यहां शांति भंग करने की कोशिश कर रहा है।

सिन्हा ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने और आतंकवाद निरोधी अभियानों में सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें यहां मादक पदार्थों की तस्करी रोकने की जरूरत है। हमें संभावित खतरों के प्रति सजग रहने और आतंकवाद निरोधी अभियानों में सुधार करने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा कि निर्दोष लोगों की रक्षा की जानी चाहिए और दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उपराज्यपाल ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी है और उनके सम्मान में 'बलिदान स्तम्भ' का निर्माण किया गया है।

उनका बलिदान सर्वोच्च है। सिन्हा ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों के परिवारों को आश्वासन दिया कि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा कवर और अन्य चीजों का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके साथ हैं।' उन्होंने कहा कि लोगों को सुरक्षा बलों के बलिदान का सम्मान करना चाहिए क्योंकि कोई भी राष्ट्र तब तक विकास नहीं कर सकता जब तक वह सुरक्षित न हो। उन्होंने कहा, जब भी कोई घटना होती है, तो पुलिस को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है, इसलिए मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे हमारे सुरक्षा बलों के बलिदान का सम्मान करें और उनका हौसला बढ़ाएं। सिन्हा ने कहा, हमें उन्हें सलाम करना चाहिए क्योंकि वे न तो हिंदू हैं, न मुस्लिम और न ही सिख। क्षेत्र में शांति के लिए मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे इस विकास प्रक्रिया में समान रूप से भाग लें।

पाकिस्तान में 64 साल बाद किया जा रहा हिंदू मंदिर का जीर्णोद्धार

एजेंसी
लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक हिंदू मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए एक करोड़ पाकिस्तानी रुपये का बजट आवंटित किया गया है जिससे इस मंदिर के जर्जर होने के 64 साल बाद इसके जीर्णोद्धार का पहला चरण शुरू होगा। मीडिया में आयी एक खबर में सोमवार को यह जानकारी दी गयी। 'डॉन न्यूज' की खबर के अनुसार, पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की देखरेख करने वाली संघीय संस्था 'इवेक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' (ईटीपीबी) ने पंजाब में रावी नदी के पश्चिमी तट पर स्थित नारोवाल शहर के जफरवाल नगर में बावली साहिब मंदिर का निर्माण शुरू कर दिया है। यह मंदिर 1960 में जर्जर हो गया था। अभी नारोवाल जिले में कोई हिंदू मंदिर नहीं है जिससे हिंदू समुदाय को धार्मिक अनुष्ठान घर पर ही करने पड़ते हैं या उसके लिए सियालकोट और लाहौर के मंदिरों में जाना पड़ता है। पाक धर्मस्थान कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रतन लाल आर्या ने कहा कि बावली साहिब मंदिर पर ईटीपीबी के नियंत्रण के कारण वह जर्जर हो गया और नारोवाल में 1,453 से अधिक हिंदू पूजा स्थल से वंचित हो गए। पाकिस्तान के गठन के बाद नारोवाल जिले में 45 मंदिर थे लेकिन उनमें से सभी मरम्मत न होने के कारण जर्जर होते चले गए। आर्या ने कहा कि पिछले 20 साल से पाक धर्मस्थान कमेटी बावली साहिब मंदिर के जीर्णोद्धार की पैरवी करती आ रही है। उन्होंने बताया कि सरकार ने हिंदू समुदाय की मांगों को पूरा करने के लिए मंदिर की मरम्मत के लिए कदम उठाए हैं। उच्चतम न्यायालय के 'वन मैन कमीशन' के अध्यक्ष शोएब सिद्दल और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य मंजूर मसीह ने इस मरम्मत के प्रयास में अहम भूमिकाएं निभायी हैं।

म्यांमा में नौका डूबने से सात लोगों की मौत, 30 लापता

बैंकॉक। म्यांमा में सैनिकों और लोकतंत्र समर्थक छापामार लड़ाकों के बीच लड़ाई से बचकर जा रहे लोगों की नाव अंडमान सागर में पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग लापता हैं। एक बचावकर्मी और स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। बचाव कार्य में मदद कर रहे एक ग्रामीण के अनुसार, नाव से लगभग 30 लोगों को बचा लिया गया है। रविवार को क्योंक कार द्वीप से लगभग 70-75 लोग सवार होकर म्यांमा के दक्षिणी क्षेत्र तनिनथारी के निकटवर्ती तटीय शहर म्यीक जा रहे थे। खचाखच भरी यह नौका रविवार रात 9.30 बजे क्योंक कार द्वीप से रवाना हुई और 15 मिनट बाद पलट गई। एक ग्रामीण ने एसोसिएटेड प्रेस को यह जानकारी दी। उसने नाम जाहिर नहीं होने के अनुरोध के साथ यह बताया क्योंकि उसे सेना द्वारा गिरफ्तार किए जाने का डर था। दुर्घटना का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन ग्रामीण के अनुसार सामान्यतः 30 से 40 यात्रियों की क्षमता वाली यह नाव लोगों और सामान से खचाखच भरी थी और समुद्र में तेज लहरें उठ रही थीं।

चीन के युद्धाभ्यास के एक सप्ताह बाद अमेरिकी और कनाडाई युद्धपोत ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे

एजेंसी
ताइपे

चीन द्वारा ताइवान के पास बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास किए जाने के लगभग एक सप्ताह बाद अमेरिका और कनाडा के युद्धपोत रविवार को ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि सभी देशों के लिए नौवहन की स्वतंत्रता के सिद्धांत को कायम रखने के लिए विध्वंसक पोत 'यूएसएस हिगिंस' और कनाडाई युद्धपोत 'एचएमसीएस वैंकूवर' ताइवान जलडमरूमध्य से 'नियमित' रूप से गुजरे। अमेरिकी नौसेना के पोत चीन को ताइवान से अलग करने वाले संवेदनशील जलमार्ग से नियमित रूप से गुजरते हैं। ऐसे में कभी-कभी अमेरिका के मित्र देशों के पोत भी उसके साथ होते हैं। चीन ने अमेरिका और कनाडा के इस संयुक्त युद्धाभ्यास की निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, 'ताइवान का मुद्दा नौवहन की स्वतंत्रता के बारे में नहीं है

बल्कि यह चीन की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता से संबंधित है। चीन किसी भी देश द्वारा नौवहन की स्वतंत्रता के नाम पर चीन की संप्रभुता और सुरक्षा को खतरा पैदा करने या उकसावे की कार्रवाई किए जाने का कड़ा विरोध करता है।' चीन सेना की 'ईस्टर्न थियेटर कमांड' ने कहा कि अमेरिका और कनाडा के युद्धपोतों का यह कदम क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता को नुकसान पहुंचाता है। उसने बताया कि उसने अमेरिकी एवं कनाडाई पोतों के पारगमन की निगरानी के लिए 'कानून के अनुसार' नौसेना और वायु सेना को तैनात किया है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े ने बयान में कहा कि पोत 'ऐसे जल क्षेत्र से गुजरे जहां समुद्री नौवहन और हवाई क्षेत्र में उड़ान की स्वतंत्रता अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत लागू होती है।' इसमें कहा गया है, 'ताइवान जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के नौवहन के अधिकारों और स्वतंत्रता को सीमित नहीं किया जाना चाहिए।' लिन से जब अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की ताइवान और चीन के संबंध में हालिया टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ताइवान एक घरेलू मुद्दा है, 'जिसमें किसी बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं है' और चीन 'चुनावों के दौरान किसी भी अमेरिकी व्यक्ति द्वारा चीन को मुद्दा बनाए जाने' का विरोध करता है। ट्रंप ने 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' के संपादकीय बोर्ड से कहा था कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यदि वह फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बने तो चीन ताइवान पर आक्रमण नहीं करेगा।

संक्षिप्त-समाचार

टाटा मोटर्स को यूपीएसआरटीसी से एक हजार बस 'चेसिस' का मिला ठेका

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) से 1,000 डीजल बस 'चेसिस' की आपूर्ति का ठेका मिला है। टाटा मोटर्स ने सोमवार को बयान में कहा, कंपनी को यह ठेका प्रतिस्पर्धी ई-बोली प्रक्रिया के बाद हासिल हुआ। बस 'चेसिस' की आपूर्ति पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक यात्री वाहन कारोबार प्रमुख आनंद एस. ने कहा, ' ....हम यूपीएसआरटीसी के मार्गदर्शन के तहत आपूर्ति शुरू करने के लिए तत्पर हैं।' कंपनी ने कहा, यूपीएसआरटीसी को पिछले वर्ष 1,350 बस 'चेसिस' के बड़े ठेके की सफलतापूर्वक पूर्ति के बाद यह ठेका मिला है।

भारत, चीन पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त से जुड़े समझौते पर सहमत हुए

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को कहा कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए एक समझौते पर पहुंचे हैं। विदेश सचिव ने कहा कि भारतीय और चीनी वार्ताकार बाकी मुद्दों को सुलझाने के लिए पिछले कुछ हफ्तों से संपर्क में थे। समझा जाता है कि यह समझौता देपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त से संबंधित है। इस सफलता की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूसी शहर कजान की यात्रा से एक दिन पहले हुई है। हालांकि, कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन अघोषित यात्रा पर कीव पहुंचे

कीव। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन यूक्रेन की राजधानी में रूस के ड्रोन हमले के कुछ घंटों बाद सोमवार को अघोषित यात्रा पर कीव पहुंचे। यह यात्रा ऐसे वक्त में हो रही है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पश्चिमी साझेदारों से युद्ध के लिए सैन्य सहयोग उपलब्ध कराते रहने का आान किया है। ऑस्टिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उनकी चौथी यात्रा दर्शाती है कि 'अमेरिका के साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय यूक्रेन के साथ खड़ा है'। जेलेंस्की पश्चिम के सहयोगी देशों से करीब तीन साल के युद्ध को खत्म करने के लिए अपनी तथाकथित विजय योजना का समर्थन करने का अनुरोध कर रहे हैं। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा संघर्ष है और इसमें दोनों पक्षों के हजारों लोगों की जान चली गयी है। उन्होंने रविवार शाम को एक वीडियो संबोधन में कहा कि फ्रांस, लिथुआनिया, नॉर्डिक देशों और यूरोपीय संघ में 'कई अन्य सहयोगियों' ने उनकी योजना का समर्थन दिया है। बहरहाल, सबसे महत्वपूर्ण देश अमेरिका है, जो यूक्रेन का सबसे बड़ा सैन्य आपूर्तिकर्ता है। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूस ने रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि को यूक्रेन में तीन मिसाइलें और 116 शाहेद ड्रोन दागे।

भाजपा महाराष्ट्र के किसानों की सबसे बड़ी दुश्मन, राज्य महापरिवर्तन के लिए तैयार: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र के किसानों की सबसे बड़ी दुश्मन है तथा राज्य की जनता महापरिवर्तन के लिए तैयार है। महाराष्ट्र में सभी 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। मतगणना 23 नवंबर को होगी। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भाजपा, महाराष्ट्र के किसानों की सबसे बड़ी दुश्मन है। 20,000 किसानों ने आत्महत्या की, खेती में धन आवंटन की भारी कटौती की गई, 20,000 करोड़ रुपये के जल ग्रिड का वादा झूठा निकला, महाराष्ट्र को सूखा मुक्त बनाने का वादा जुमला है, अन्नदाता को मुआवजा देने से इनकार कर दिया गया, लेकिन बीमा कंपनियों पर 8000 करोड़ रुपये की बौछार की गई।' उन्होंने दावा किया कि निर्यात प्रतिबंध और अत्यधिक निर्यात शुल्क से प्याज और सोयाबीन किसानों पर बोझ पड़ा है तथा कपास और गन्ने के उत्पादन में जबरदस्त गिरावट से किसान बेहाल हैं। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र ने तय किया है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार को सत्ता से हटाकर ही किसानों का भला होगा। महाराष्ट्र मांगे महापरिवर्तन।'

ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में सट्टेबाजी के अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा, नौ लोग हिरासत में

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर में पुलिस की अपराध निरोधक शाखा ने एक ऑनलाइन गेमिंग ऐप की आड़ में सट्टेबाजी के अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा करते हुए नौ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने दावा किया कि आरोपियों के कब्जे से ऑनलाइन सट्टे का करोड़ों रुपये का हिसाब-किताब बरामद किया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर राऊ क्षेत्र की सिलिकॉन सिटी के एक मकान पर रविवार देर रात छापा मारा गया, तो वहां ऑनलाइन गेमिंग ऐप की आड़ में सट्टेबाजी का अंतरराज्यीय गिरोह संचालित होता पाया गया। दंडोतिया ने बताया, 'सट्टेबाजी के लिए लोगों को इस ऐप के जरिये आईडी और पासवर्ड दिया जाता था और उनसे अलग-अलग खातों में रकम जमा कराई जाती थी। इस रकम के आधार पर लोगों को पॉइंट दिए जाते थे और उनसे हार-जीत के दांव लगवाए जाते थे। सट्टे में रकम जीतने पर लोग जीत की रकम को ऐप के माध्यम से भुनाते थे।' अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सट्टेबाजी गिरोह से जुड़े नौ लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि 20 से 26 साल की उम्र के ये लोग मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि सभी नौ आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और विस्तृत जांच जारी है।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने यूपीआई भुगतान सेवा शुरू करने के लिए उठाए 'आवश्यक कदम'

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने द्वीपसमूह देश में भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) को पेश करने के लिए ' आवश्यक कदम ' उठाए हैं, जिससे मालदीव की अर्थव्यवस्था को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है।

रेडियो टावर से टकराने के बाद हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के ह्यूस्टन में एक हेलीकॉप्टर रविवार रात रेडियो टावर से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि आर44 हेलीकॉप्टर ह्यूस्टन की एलिंगटन हवाई पट्टी से उड़ान भरने के बाद लगभग 15 मील की दूरी पर स्थित सेकंड वॉर्ड में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान और उम्र अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। दमकल विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अधिकारी दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। ह्यूस्टन शहर के काउंसिल सदस्य मारियो कास्टिलो ने बताया, सेकंड वॉर्ड में दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर सरकारी स्वामित्व वाला नहीं था, बल्कि इसका संचालन एक निजी पर्यटन कंपनी करती थी। हालांकि, कास्टिलो के दावे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकी है। स्थानीय मीडिया में प्रकाशित खबरों में कहा गया है कि बड़ी संख्या में आपात कर्मी दुर्घटनास्थल की ओर जा रहे हैं।

महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला ने की ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित

एजेंसी
कैनबरा

महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किया और अपने शुभचिंतकों से मुलाकात की। चार्ल्स (75) कैंसर का इलाज करवा रहे हैं, जिसके कारण उनकी यात्रा का कार्यक्रम छोटा कर दिया गया है।

यह चार्ल्स की ऑस्ट्रेलिया की 17वीं यात्रा है और 2022 में ब्रिटेन का महाराजा बनने के बाद से उनकी पहली यात्रा है। चार्ल्स और कैमिला ने अपने आगमन के अगले दिन आराम किया और रविवार को सिडनी में चर्च सेवा में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद वे कैनबरा के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने अज्ञात ऑस्ट्रेलियाई सैनिक के स्मारक का दौरा किया। फिर उन्होंने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज द्वारा संसद भवन में आयोजित एक स्वागत समारोह में भाग लिया। दंपत्ति ने युद्ध स्मारक से निकलकर सैकड़ों लोगों का अभिवादन किया। स्वागत समारोह में सभी छह ऑस्ट्रेलियाई राज्यों के सरकारी नेताओं ने भाग नहीं लिया। उन्होंने इस आधार पर निमंत्रण अस्वीकार कर दिया कि वे ब्रिटिश सम्राट के बजाय एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक को राज्य प्रमुख के रूप में पसंद करेंगे। अल्बानीज भी चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया एक गणतंत्र बने, लेकिन उन्होंने अपने वर्तमान कार्यकाल के दौरान इस बारे में जनमत संग्रह कराने से इनकार कर दिया है।

ओडिशा में दो बसों, वैन की टक्कर में 20 लोग घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के गजपति जिले में रविवार देर रात दो बजे दो बसों और एक 'पिकअप वैन' की टक्कर में 20 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मोहना थाना अंतर्गत रामगढ़ घाट रोड पर एक सरकारी बस खराब हो गई थी और इसके यात्री पुरी से मलकानगिरी तक अपनी यात्रा जारी रखने के लिए दूसरी बस का इंतजार कर रहे थे। सरकारी बस के चालक एस. के. राजू ने बताया कि उस समय तेज गति से आ रही एक निजी बस ने सड़क के किनारे खड़ी बस को पीछे से टक्कर मार दी और पलटकर सड़क एक पिकअप वैन से टकरा गई। यह पिकअप वैन भी सड़क पर खड़ी थी। पुलिस ने बताया कि घटना में, निजी बस में सवार करीब 20 यात्री घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'घायलों को पहले मोहना अस्पताल ले जाया गया और बाद में छह यात्रियों की हालत बिगड़ने पर उन्हें बरहामपुर के महाराजा कृष्ण चंद्र गजपति (एमकेसीजी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया।' उन्होंने बताया कि दुर्घटना संभवतः घने कोहरे के कारण हुई।

यूनान के तटीय इलाके में खराब मौसम की चपेट में आई प्रवासियों की नौका, दो लोगों की मौत

एजेंसी
एथेंस

यूनान के पूर्वी तटीय द्वीप सामोस के नजदीक प्रवासियों की एक नौका के खराब मौसम की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गयी जबकि 24 अन्य प्रवासियों को बचा लिया गया। यूनान के तटरक्षक बल ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें नौका पर सवार यात्रियों से आपात स्थिति और इस संकट की सूचना मिली थी तथा तट रक्षक बल की गश्ती नाव ने प्रवासियों की नौका को सामोस के उत्तर में आंशिक रूप से जलमग्न पाया। इस हादसे में 22 लोगों को बचा लिया गया तथा जीवित बचे लोगों ने तट रक्षक बल को दो लापता यात्रियों के बारे में सूचित किया। तट रक्षक बल ने बताया कि लापता लोगों - एक पुरुष और एक महिला के शव सोमवार तड़के बरामद कर लिए गए। प्रवासियों की नौका के समुद्र में हादसे का शिकार होने का यह ताजा मामला है। यह प्रवासी निकटवर्ती तुर्किये के तटीय क्षेत्र से या फिर उत्तरी अफ्रीका से भूमध्य सागर को पार कर समुद्री मार्ग से यूरोप के किसी देश में शरण लेने की कोशिश कर रहे थे। इस हादसे में जीवित बचे लोगों ने अधिकारियों को बताया कि उन्होंने उत्तरी लीबिया के बंदरगाह टोब्रुक से यूनान तक के सफर के लिए सात हजार से 10 हजार यूरो प्रति व्यक्ति का भुगतान किया था। पिछले सप्ताह, पूर्वी यूनान के कोस द्वीप के पास उस समय दो महिलाओं और दो बच्चों की मृत्यु हो गई थी, जब तुर्किये से आ रही एक मानव तस्करी नौका पलट गई थी।

मुख्यमंत्री नायडू ने पुलिस विभाग के 763 करोड़ रुपये के बकाया बिलों का भुगतान करने का वादा किया

एजेंसी
विजयवाड़ा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार पुलिस विभाग के 763 करोड़ रुपये के बकाया बिलों का भुगतान करेगी और उन्होंने 6,100 कांस्टेबल की भर्ती करने का भी वादा किया। मुख्यमंत्री ने विजयवाड़ा के 'इंदिरा गांधी म्युनिसिपल स्टेडियम' में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर यह आश्वासन दिया। पुलिस स्मृति दिवस पर अपने भाषण के दौरान नायडू ने कहा, पिछली सरकार (वाईएसआरसीपी) ने पुलिस विभाग के 763 करोड़ रुपये से ज्यादा के बिलों का भुगतान नहीं किया है। पुलिस विभाग के साथ सहयोग करने के लिए चरणबद्ध तरीके से फैसले लिए जाएंगे और उन सभी बिलों का भुगतान किया जाएगा। पुलिस विभाग में निवेश को राज्य में निवेश करने के समान बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमेशा इसे महत्व दिया है और इसमें सहयोग किया है। नायडू के अनुसार, राज्य सरकार ने सत्ता में आने के 125 दिनों के भीतर विभाग के 100 करोड़ रुपये के लंबित बिलों का भुगतान कर दिया है। पुलिस विभाग को नवीनतम तकनीक उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल देते हुए नायडू ने कहा कि पुलिसकर्मी पुराने जमाने के तकनीकी उपकरणों से अपराधियों का मुकाबला नहीं कर सकते। नायडू ने कहा कि जब हम निगरानी और प्रौद्योगिकी के मामले में अपराधियों पर बढ़त हासिल कर लेंगे, तभी हम उन पर नियंत्रण कर सकेंगे। उन्होंने सुधार करने और उन्नत प्रौद्योगिकी लाने का वादा किया। उन्होंने वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार पर पुलिस विभाग को राजनीतिक उत्पीड़न के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

निर्माण

गंगा नदी के कलेक्ट्रेट घाट के सामने बनाया गया परिसर

पटना के नए कलेक्ट्रेट परिसर का छठ पूजा के बाद उद्घाटन होने की संभावना

एजेंसी
पटना

पटना कलेक्ट्रेट के बहुमंजिला आधुनिक परिसर का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और नवंबर में छठ पूजा के तुरंत बाद इसका उद्घाटन होने की संभावना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार तीन ऊंची इमारतों वाले इस नए परिसर में सतह और बेसमेंट पर पार्किंग की सुविधाएं हैं। इसने डच और ब्रिटिश काल की धरोहर इमारतों के समूह की जगह ली है, जहां पुराना कलेक्ट्रेट कार्यालय था और जिन्हें पुनर्विकास परियोजना के तहत 2022 में ध्वस्त कर दिया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आठ 'टस्कन' स्तंभ को संरक्षित कर लिया गया है और इन्हें नए परिसर में एक विशेष स्थान पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। ये स्तंभ

पुराने कलेक्ट्रेट के अब ध्वस्त हो चुके डचकालीन रिकॉर्ड रूम के अगले हिस्से की शोभा बढ़ाते थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय भवन में मुख्य कलेक्ट्रेट होगा, जिसमें 'जी प्लस 5' (भूतल और पांच) मंजिल और एक बेसमेंट होगा। इसमें जिलाधिकारी का कार्यालय सबसे ऊपरी मंजिल पर होगा। यह विशाल परिसर 10 एकड़ में फैला है और शहर के मध्य में गंगा नदी के किनारे स्थित है। इस परिसर को गंगा नदी के कलेक्ट्रेट घाट के सामने बनाया गया है। अधिकारी ने बताया कि मुख्य ब्लॉक के पूर्वी और पश्चिमी हिस्से में दो ब्लॉक बनाए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में 'जी प्लस 4' फ्लोर और एक बेसमेंट है। पूर्वी ब्लॉक में जिला बोर्ड पटना का कार्यालय होगा, जबकि पश्चिमी ब्लॉक में अनुमंडल अधिकारी (एसडीओ) और विकास उपायुक्त (डीडीसी) के कार्यालय होंगे। अधिकारी ने कहा, 18 मई 2022 को शुरू हुआ निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और इसे 31 अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, छठ पूजा नवंबर के पहले सप्ताह में है और उसके तुरंत बाद नए कलेक्ट्रेट का उद्घाटन होने की उम्मीद है। भवन निर्माण विभाग के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि नए कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन छठ पूजा के तुरंत बाद होने की संभावना है। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने पिछले एक सप्ताह में दो बार (14 अक्तूबर और 19 अक्तूबर को) परियोजना स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को अक्तूबर के अंत तक काम पूरा करने का निर्देश दिया। समझा जाता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आधुनिक कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन करेंगे। कलेक्ट्रेट घाट पारंपरिक रूप से छठ घाट भी रहा है। कलेक्ट्रेट घाट जाने के लिये नए परिसर के पूर्व से रास्ता बनाया गया है। पहले कई श्रद्धालु छठ महापर्व के दौरान इकट्ठा होते थे और कुछ लोग चार दिन तक चलने वाले त्योहार के दौरान इसके परिसर में कुछ दिन के लिए डेरा भी डालते थे।

सुक्खू ने ने ढली में विशेष रूप से सक्षम बच्चों के संस्थान के नए भवन का लोकार्पण किया

सिटी दर्पण
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला के ढली उप-नगर में विशेष रूप से सक्षम बच्चों के संस्थान के लिए 8.28 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। यह सुविधा हिमाचल प्रदेश में श्रवण एवं दृष्टिबाधित बच्चों को सुविधा प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगी।

इस पांच मंजिला भवन में 32 आधुनिक सुविधाओं से युक्त और आवासीय कमरों की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इस भवन में कम्प्यूटर प्रयोगशाला, व्यावसायिक प्रशिक्षण कक्ष, संगीत कक्ष, पुस्तकालय, वर्कशॉप और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई गई है। इसके अलावा, 10 कमरे छात्रावास के लिए आवंटित किए गए हैं।

मुख्यमत्री ने कहा कि वर्तमान में इस संस्थान में 140 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे है जिनमें 106 श्रवणबाधित और 34 दृष्टिबाधित छात्र शामिल हैं। इस संस्थान में छात्रों को पहली से 12वीं कक्षा तक निःशुल्क आवासीय सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, छात्रों को यहां हस्तशिल्प, बेकरी, कम्प्यूटर कौशल और बागवानी जैसे क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है ताकि भविष्य में वे आत्मनिर्भर बन कर सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिवाली पर्व के दृष्टिगत राज्य सरकार के कर्मचारियों व पेंशनरों सहित विभिन्न बोर्डों और निगमों के कर्मचारियों को 28 अक्तूबर को वेतन और पेंशन जारी की जाएगी। यह निर्णय आंगनबाड़ी कार्यकताओं, आशा कार्यकताओं, आउटसोर्स कर्मचारियों पर भी लागू होगा ताकि वे दिवाली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मना सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले लगभग 20 माह के कार्यकाल के दौरान प्रदेश सरकार ने 2600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। इसका 30 प्रतिशत सामाजिक क्षेत्र को आवंटित किया गया है जबकि शेष ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अन्य क्षेत्रों पर खर्च किया जा रहा है।

प्रदेश के सामाजिक उत्थान पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सामाजिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और 18 वर्ष से अधिक की पात्र महिलाओं को 1500 रुपये मासिक आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि 27 वर्ष तक के विशेष रूप से सक्षम बच्चों के कल्याण के लिए अगले वित्त वर्ष में एक नई योजना आरम्भ की जाएगी। इसके अलावा, 70 वर्ष से अधिक की आयु के बुजुर्गों की देखभाल के लिए भी आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विशेष रूप से सक्षम, अनाथ बच्चों, विधवाओं और 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण पर विशेष बल दे रही है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अनाथ बच्चों को ह्यचिल्ड्रन ऑफ द स्टेटह्ल का दर्जा देकर उन्हें नई पहचान दी है। प्रदेश की बागडोर संभालने के उपरान्त मुख्यमंत्री ने पहला दौरा शिमला में टूटीकंडी स्थित बालिका आश्रम का किया तथा सरकार ने अनाथ बच्चों को सहारा देने के लिए एक योजना शुरू की, जो समाज के कमजोर वर्गों के प्रति उनकी चिंता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि अनाथ बच्चों के कल्याण और देखभाल को सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाने वाला हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य बना है।

डॉ. शांडिल ने कहा कि ढली में नवनिर्मित भवन संवेदनशील वर्गों के कल्याण के प्रति मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। राज्य सरकार द्वारा विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए कई पहल शुरू की गई हैं जो इन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव आशीष सिंहमार ने कहा कि इस परियोजना में मुख्यमंत्री की विशेष रूचि और सहयोग के कारण ही इस नए भवन का निर्माण सम्भव हुआ है। उन्होंने विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, विधायक हरीश जनारथा, महापौर सुरेन्द्र चौहान, उप-महापौर उमा कौशल, महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक किरण भड़ाना, एसजेवीएनएल के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक सुशील शर्मा, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता एनपी सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने साइबर विंग के सी.वाई-स्टेशन का शुभारम्भ किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां हिमाचल प्रदेश पुलिस के साइबर विंग के ह्यसी.वाई-स्टेशनह्ल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र पूरे सप्ताह चौबिस घंटे कार्य करेगा और यह साइबर अपराधों से जुड़ी शिकायतों के निपटारे में प्रभावी है। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासी साइबर अपराधों से जुड़ी शिकायतों को टॉल-फ्री नम्बर-1930 पर दर्ज करवा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यसी.वाई-स्टेशनह्ल लोग रियल टाइम में शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं खास तौर पर आर्थिक अपराध से जुड़ी शिकायतें। उन्होंने कहा कि सिटिजन फाइनैन्शिल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एण्ड मेनेजमेंट सिस्टम के द्वारा यह आर्थिक धोखाधड़ी के ब्लॉकिंग या लीन मार्किंग (ग्रहणाधिकार अंकन) को सुगम बनाएगा। उन्होंने कहा कि यह डाटा सेंटर राज्य के नोडल हब के रूप में स्थापित होकर राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के जिला पोर्टल की कार्य प्रणाली पर निगरानी रखेगा। यह भविष्य की योजनाओं के लिए मुख्य निर्णायक केंद्र के रूप में कार्य करते हुए शिकायतों और उन पर की गई कार्यवाही के संबंध में डाटाबेस भी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सी.वाई-स्टेशन नवीन प्रौद्योगिकी से लैस होगा और त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करेगा। इस स्टेशन में प्रशिक्षित ऑप्रेटर तैनात किए गए हैं और इसमें कॉल रिकॉर्डिंग और प्रभावी फोलो-अप आदि सुविधाओं के लिए स्वचालित सॉफ्टवेयर की सुविधा भी है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की नेटवर्क अवसंरचना हिमाचल प्रदेश साइबर ढांचे और केंद्रीकृत राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के मध्य महत्त्वपूर्ण सामरिक संबंध स्थापित करेगा। यदि किसी बैंक या आर्थिक संस्थान को कोई शिकायत सुधार के लिए भेजी जाती है तो यह डाटा सेंटर शिकायतकर्ता के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश पुलिस को आधुनिक बनाने के लिए विशेष प्रयास करते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि यह विभाग नवीन प्रौद्योगिकी का अपनी कार्य प्रणाली ज्यादा से ज्यादा समावेश करे। आधुनिकीकरण के ये प्रयास पुलिस विभाग में पारदर्शिता, प्रतिक्रिया और क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं।

31 अक्टूबर को मनाया जाएगा राष्ट्रीय संकल्प दिवस एवं राष्ट्रीय एकता दिवस

सिटी दर्पण
शिमला

उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आज यहां राष्ट्रीय संकल्प दिवस एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के आयोजन बारे बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने कहा कि 31 अक्टूबर, 2024 को प्रातः 10:30 बजे ऐतिहासिक रिज मैदान में राष्ट्रीय संकल्प दिवस एवं राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संकल्प दिवस पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर मनाया जाता है।इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर गणमान्य लोगों द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। तत्पश्चात जनसमूह को राष्ट्रीय संकल्प दिवस की शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ-साथ राष्ट्रीय एकता दिवस स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के रूप में मनाई जाता है। इसी दौरान रिज मैदान पर राष्ट्रीय एकता दिवस की भी शपथ दिलाई जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा भजन एवं देशभक्ति गीतों की भी प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में समय रहते सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त अभिषेक वर्मा, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी प्रोटोकॉल ज्योति राणा अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी कानून एवं व्यवस्था अजीत भारद्वाज, सहायक आयुक्त गोपाल चंद शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग और वास्तुकला के प्रतिष्ठित पेशेवरों को किया सम्मानित

सिटी दर्पण
मंडी

भारतीय कंक्रीट संस्थान यानी आईसीआई ने उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले पेशेवर इंजीनियरों व वास्तुकारों को शिमला में संपन्न हुए अपने वर्ष 2024 के सालाना समारोह में सम्मानित किया। आईसीआई शिमला केंद्र के अध्यक्ष वी पी एस जसवाल ने कहा कि भारतीय कंक्रीट संस्थान एक गैर-लाभकारी संगठन है जो कंक्रीट पर ज्ञान का प्रसार करने, कंक्रीट प्रौद्योगिकी और निर्माण को बढ़ावा देने और कंक्रीट की शोध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित है। जसवाल ने बताया कि आईसीआई के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, इसके क्षेत्रीय केंद्र पूरे वर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन, प्रदर्शनी आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हैं। ये कार्यक्रम कंक्रीट उद्योग के सभी हितधारकों के लिए एक अनूठा मंच साबित होते हैं, जिसमें अभ्यास करने वाले इंजीनियर, निमार्ता, शिक्षाविद, सलाहकार और शोधकर्ता अपनी वैश्विक भागीदारी करते हैं, मुद्दों पर चर्चा करते हैं, कंक्रीट से संबंधित मामलों पर अपने विचार और अनुभव साझा करते हैं।

जसवाल ने आगे बताया कि पिछले वर्षों की तरह, आईसीआई के शिमला केंद्र ने आईसीआई-अल्ट्राटेक स्ट्रक्चर अवार्ड्स 2024 का आयोजन किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश रेरा के अध्यक्ष डॉ श्रीकांत बाल्दी मुख्य अतिथि थे। डॉ बाल्दी ने सतत विकास के महत्व पर जोर दिया और कहा कि अगर हम अपने शहरों की योजना सतत विकास के अनुसार नहीं बनाते हैं, खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में, तो आने वाले समय में परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम 2023 के मानसून के दौरान इसे पहले ही देख चुके हैं। श्रीमती उमा बाल्दी ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उर्मिला बाल्दी हिमाचल प्रदेश में सामाजिक कार्यों का पर्याय हैं, जो पिछले 31 वर्षों से समाज के जरूरतमंदों और वंचितों के उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि एक पूर्व इंजीनियर इन चीफ अजय गुप्ता की अध्यक्षता में एक जूरी ने पुरस्कार विजेताओं का चयन किया था। इसमें उनके साथ रहे सदस्यों में वास्तुकार वी.पी.एस. जसवाल, अध्यक्ष, आई सी आई - शिमला केंद्र, वास्तुकार नंद लाल चंदेल, उपाध्यक्ष -आई सी आई- शिमला केंद्र, डॉ प्रदीप कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, सी ई डी, एनआईटी हमीरपुर, वास्तुकार दीवान चंद शर्मा, सेवानिवृत्त मुख्य वास्तुकार-हिमुडा, डॉ. एस.पी. गुलेरिया, सेवानिवृत्त निदेशक जेएनजीईसी, सुंदरनगर, इंजीनियर अभय तोमर, आरएचटी-एचपी, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड रहे।

संक्षिप्त-समाचार

समर्थ-2024 के तहत कलाकारों ने नारकंडा तथा कुमारसैन में लोगों को किया जागरूक

शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के संदर्भ में समर्थ 2024 का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत प्रदेश में लोगों को आपदा प्रबंधन के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। समर्थ-2024 के तहत सूचना एवं जन संपर्क विभाग के कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जागरूकता अभियान की इस कड़ी में आज हिमाचल कला मंच सरोग के कलाकारों द्वारा नारकंडा व कुमारसैन में नुक्कड़ नाटक व गीत संगीत के माध्यम से स्थानीय लोगों को भूकंप, भूस्खलन, बाढ़, आगजनी जैसे विषयों पर जागरूक किया गया। कलाकारों ने लोगों को भूकंप से निपटने की तैयारी और सुरक्षा के लिए उठाये जाने वाले आवश्यक कदम के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर नारकंडा की प्रधान सुरेन्द्र भण्डारी, आईटीआई कुमारसैन के प्रधानाचार्य सतीश कुमार, कुमारसैन के उप-प्रधान सतीश शर्मा तथा काफी संख्या में लोग स्थानीय उपस्थित रहे।

सुरेश रहे 1600 मीटर दौड़ में सबसे अब्बल, चिराग दूसरे पारस तीसरे स्थान पर हमीरपुर के पारस रहे

मंडी। प्रेरणा युवक मंडल केहनवाल की ओर से सोमवार को पड्डल मैदान में आयोजित 1600 मीटर दौड़ में सरकाघाट के सुरेश कुमार सबसे तेज धावक रहे। दूसरे स्थान पर जंजैहली के चिराग जबकि तीसरा स्थान हमीरपुर के पारस ने हासिल किया। पहले 16 स्थानों पर आने वालों को पुरस्कारों से नवाजा गया। चौथे से 16 वें स्थान तक आए धावकों में अतुल, विजय, अमन, आर्यन, अभिषेक, लक्की, भारत, इंद्र, अभिषेक सौरभ, पुष्प राज, निशांत व मनीष रहे। इस दौड़ की शुरूआत आर रतन ज्वैलर्ज के मुखिया आर आर मल्होत्रा ने हरी झंडी दिखाई। यह दौड़ प्रख्यात धावक चमन लाल जो खेला इंडिया में भी भाग ले चुके हैं के प्रयासों से हुआ है। इस मौके पर प्रेरणा युवक मंडल केहनवाल के अध्यक्ष पंकज राणा के अलावा धावक जागृति देवी, शिल्पा व पुष्पा कुमारी भी मौजूद रही।

दिशा निर्देश एवं वित्तीय नियमों के अनुरूप कार्य करे अधिकारी: उपायुक्त शिमला

शिमला। जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आज यहां बचत भवन सभागार में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु पिछड़ा उपक्षेत्र योजनान्तर्गत बजट प्राधिकरण के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अन्य पिछड़ा क्षेत्र योजना के अंतर्गत विकास खंड वार विभिन्न मदों एवं विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला उपायुक्त ने सभी अधिकारिओं को योजना के अंतर्गत दिशा निर्देश, वित्तीय नियमों एवं सभी औपचारिकताओं को पूर्ण कर कार्य करने के निर्देश दिए ताकि योजना का लाभ पिछड़े क्षेत्र के लोगों को मिल सके। उन्होंने कहा कि जिला का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। इसी दृष्टि से सभी अधिकारी कार्य कर लंबित विकास कार्यों को पूरा करें ताकि पिछड़े क्षेत्र का विकास सुनिश्चित हो सके।

घास काटते समय फिसला पैर, दर्दनाक मौत

नाहन। हिमाचन प्रदेश के सिरमौर जिले के उपमंडल के गांव जबड़ोग में 35 वर्षीय राजेश कुमार की खाई में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। स्थानीय निवासियों के अनुसार राजेश कुमार अपनी पत्नी के साथ घास काटने गया था। इस दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरी खाई में गिर गया। राजेश की पत्नी और आसपास के ग्रामीणों ने घायल अवस्था में उसे संगड़ाह अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राजेश कुमार अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गया है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

भारत मां की जय के साथ हिमाचल से 788 अग्निवीर ट्रेनिंग के लिए रवाना

धर्मशाला। कांगड़ा और चंबा जिलों से चयनित अग्निवीरों को मेजर जनरल केके सिंह, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, दाह डिविजन द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सेना भर्ती कार्यालय, पालमपुर के भर्ती निदेशक कर्नल मनिष शर्मा (सेना मेडल) ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि भर्ती वर्ष 2024-25 के लिए कुल 788 वेकेंसी आवंटित की गई हैं। इसमें अग्निवीर (सामान्य ड्यूटी)-756, अग्निवीर (तकनीकी)-06, अग्निवीर कार्यालय सहायक/स्टोर कीपर तकनीकी-22 और अग्निवीर ट्रेड्समैन 10वीं पास-04 शामिल हैं। चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण केंद्रों में भेजने की प्रक्रिया 20 अक्टूबर 2024 से शुरू हुई है। मेजर जनरल के. के. सिंह ने उम्मीदवारों के साथ चाय पार्टी का आयोजन किया और उन्हें सैन्य अनुशासन, सैन्य सुविधाएं, उच्च शिक्षा, और अधिकारी प्रवेश के बारे में जानकारी प्रदान की।

लोगों के स्वास्थ्य से न हो खिलवाड़ अन्यथा होगी कार्यवाही: जिला दंडाधिकारी

सिटी दर्पण
शिमला

जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में आज यहां दिवाली के मध्यनजर जिला में खाद्य सामग्री की पर्याप्तता एवं खाद्य सुरक्षा को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। जिला दंडाधिकारी ने कहा कि जिला शिमला में दिवाली के मध्यनजर पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री उपलब्ध है। जिला के सभी स्थानों पर खाद्य सामग्री की पर्याप्तता को बनाए रखने के लिए जिला नियंत्रक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं ताकि दिवाली के इस महापर्व पर लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उपायुक्त ने सभी दुकानदारों से खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने की अपील की ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो। उन्होंने कहा कि अवहेलना करने वाले दुकानदारों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कानून कार्यवाही अमल में लाई जाएगी । उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गलत ब्रांडिंग करते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाते हुए अधिकतम 3 लाख रुपए तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। इसके साथ-साथ यदि कोई व्यक्ति घटिया या बेकार गुणवत्ता का सामान लोगों को बेचता है तो उस स्थिति में अधिकतम 5 लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाने का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक या असुरक्षित खाद्य सामग्री बेचने वाले के खिलाफ 6 महीने तक के कारावास का प्रावधान है। जिला दंडाधिकारी ने बताया कि दिवाली के दौरान खाद्य तेल का प्रयोग काफी मात्रा में किया जाता है।उन्होंने कहा कि खाद्य तेल को 3 बार से ज्यादा प्रयोग में नहीं लाया जा सकता। इसके साथ-साथ मिठाइयों को खुले में नहीं रखा जाए अन्यथा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

एमओयू से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में विकास के नए आयाम होंगे स्थापित: विक्रमादित्य सिंह

सिटी दर्पण
शिमला

लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह की अध्यक्षता में आज यहां लोक निर्माण विभाग एवं सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) के मध्य सुन्नी-लूहरी सड़क, एमडीआर-22 (घरट नाला-खैरा) एवं शिमला से मंडी, एमडीआर-76 (ढली-देवीधार) की सड़कों के विस्तारीकरण परियोजना से संबंधित लगभग 70 करोड़ रुपये का समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इस समझौते से प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों को सड़क सुविधा से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि पूर्व में उनके दिल्ली दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के सहयोग से उन्होंने पांच सड़क मार्गों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया था। इनमें सलापड़-तत्तापानी-सुन्नी-खैरा-लूहरी सड़क मार्ग शामिल हैं। इससे न केवल करसोग बल्कि आनी, कुमारसेन, रामपुर तथा किन्नौर क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से भी यह सड़क विकासात्मक परियोजना का एक हिस्सा है। चीन सीमा के नजदीक होने के कारण यह सामरिक महत्व की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर एसजेवीएनएल के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक सुशील कुमार शर्मा ने शिमला ग्रामीण के सुन्नी एवं लूहरी क्षेत्र में चल रही परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।सचिव लोक निर्माण विभाग अभिषेक जैन, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता दीपक राज चौहान, सुन्नी परियोजना के विभागाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, पूर्व विधायक सोहन लाल, चिरंजीव लाल, एसजेवीएनएल एवं लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिमला ग्रामीण के पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव 2024 में टीम सहभागिता की सराहनीय भूमिका

प्रशासन की तरह से सहायता करने के लिए हम हमेशा तैयार: बीजू हिमदल

सिटी दर्पण
कुल्लू

हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में टीम सहभागिता ने अपनी अटूट निष्ठा और सेवाभाव से जिला प्रशासन और पुलिस विभाग का भरपूर सहयोग किया। 13 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक चले इस भव्य आयोजन में टीम के सदस्यों ने भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, और जनसुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक निभाते हुए उत्सव को सुचारू रूप से संपन्न कराने में अपनी अमूल्य सेवाएं दीं।

टीम सहभागिता के अध्यक्ष बीजू हिमदल ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को सहयोग करना हमारी हमेशा ही प्राथमिकता रहा है उसी उद्देश्य से इस दशहरा उत्सव में भी हमारी टीम के 77 राष्ट्रीय सेवा योजना कुल्लू कॉलेज के 49 सदस्यों ने उपाध्यक्ष राज सिंघानिया के नेतृत्व में दिन-रात जमकर जनता की सेवा की। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अपने कौशल और अनुशासन का उत्कृष्ट परिचय दिया, जिससे पुलिस प्रशासन और जिला अधिकारियों को बड़ी राहत मिली। उनके अथक प्रयासों के कारण न केवल यातायात व्यवस्था सुचारू रही, बल्कि भीड़ का प्रबंधन भी कुशलता से किया गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी उत्सव में लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक शामिल हुए। ऐसे में यातायात और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां अधिक बढ़ गई थीं।इसके बावजूद टीम सहभागिता ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया और हर दिन कुछ नया सीखने व सिखाने का अवसर पाया। भीड़ प्रबंधन में अनुभव हासिल कर चुके स्वयंसेवकों ने पुलिस बल के साथ मिलकर मेला स्थल के विभिन्न क्षेत्रों में भीड़ को नियंत्रित किया। इसका परिणाम यह हुआ कि इस बार का दशहरा उत्सव बिना किसी अव्यवस्था या दुर्घटना के सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

टीम सहभागिता की भूमिका केवल भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन तक सीमित नहीं थी। उन्होंने उत्सव के दौरान विभिन्न सामाजिक जागरूकता अभियानों में भी भाग लिया। विशेष रूप से, स्वयंसेवकों ने एकल-प्रयोग प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोकथाम के लिए दुकानदारों और जनता के बीच जागरूकता अभियान चलाया। टीम ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाते हुए स्थानीय व्यापारियों को स्थायी विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, सामफिया फाउंडेशन के सहयोग से टीम ने विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए निःशुल्क सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए पर्चे वितरित किए। इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से सक्षम बच्चों के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना और उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देना था।

टीम के इस सामाजिक प्रयास की हर तरफ सराहना की गई। हर दिन, टीम सहभागिता के सदस्य किसी न किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को निभाने में व्यस्त रहे। चाहे वह रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था हो या सांस्कृतिक झांकी में शामिल दलों का प्रबंधन, टीम ने हर काम में उत्कृष्टता दिखाई। उत्सव के समापन समारोह में भगवान रघुनाथ जी की भव्य रथ यात्रा के दौरान स्वयंसेवकों ने भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा की जिम्मेदारियां बखूबी निभाईं। टीम सहभागिता का यह योगदान न केवल प्रशासन के लिए सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि इसने दशहरा उत्सव को एक अनुशासित और सुव्यवस्थित आयोजन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों की सेवा भावना, अनुशासन और जिम्मेदारी के प्रति निष्ठा ने इस बार के दशहरा उत्सव को विशेष बना दिया।

टीम सहभागिता को सेवा का अवसर देने के लिए अध्यक्ष बीजू एवं उपाध्यक्ष राज नें उपायुक्त कुल्लू एवं पुलिस अधीक्षक कुल्लू का विशेष तौर पर आभार जताया।

ग्रैंड मास्टर मैग्नस कार्लसन 'टाटा स्टील शतरंज भारत' में होंगे स्टार आकर्षण

टूर्नामेंट के 'ओपन' वर्ग में निहाल सरीन और एसएल नारायणन भी भारतीय चुनौती पेश करेंगे

एजेंसी
कोलकाता

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ग्रैंड मास्टर मैग्नस कार्लसन 13 से 17 नवंबर तक यहां होने वाले 'टाटा स्टील शतरंज भारत' के छठे सत्र में मुख्य आकर्षण होंगे। नॉर्वे का यह खिलाड़ी दूसरी बार इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनेगा। उन्होंने इससे पहले 2019 में इसमें भाग लिया था और इसके विजेता बने थे। बुडापेस्ट में हाल ही में शतरंज ओलंपियाड में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अर्जुन एरिगैसी, आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती जैसे युवा भारतीय खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट के 'ओपन' वर्ग में निहाल सरीन और एसएल नारायणन भी इसमें भारतीय चुनौती को पेश करेंगे। पिछले सत्र तरह टूर्नामेंट में 'ओपन' और 'महिला' वर्ग की श्रेणियों में रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबलों के लिए समान पुरस्कार राशि होगी। महिला वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कोनेरू हम्पी, आर वैशाली, डी. हरिका, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल करेंगी।

पिछले सत्र की तरह टूर्नामेंट में 'ओपन' और 'महिला' वर्ग की श्रेणियों में रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबलों के लिए समान पुरस्कार राशि होगी

शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद टूर्नामेंट के ब्रांड दूत बने रहेंगे। आनंद ने कहा, 'टाटा स्टील शतरंज भारत' में वापस आने का इंतजार कर रहा हूं। यह भारत में एक प्रमुख टूर्नामेंट

बन गया है। इस साल इस आयोजन में मैग्नस कार्लसन के नेतृत्व में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं विशेष रूप से उत्साहित हूं कि महिलाओं के आयोजन में भारतीय शतरंज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा। यह साल भारतीय शतरंज के लिए उत्सव की तरह है और इस आयोजन से उसे और बढ़ावा मिलेगा।' टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सेवाओं के उपाध्यक्ष, चाणक्य चौधरी ने कहा, ' हम टाटा स्टील शतरंज भारत के छठे सत्र की मेजबानी करने के लिए उत्साहित हैं। इसमें दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन की वापसी हो रही है। शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय पुरुष और महिला टीम के सदस्य इस टूर्नामेंट में शीर्ष वैश्विक खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे।'

टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ी

ओपन वर्ग: मैग्नस कार्लसन, नादिबेक अब्दुस्तोरोव, वेस्ले सो, विंसेंट केमर, डैनियल डबोव, अर्जुन एरिगैसी, आर प्रज्ञानानंदा, विदित गुजराती, निहाल सरीन, एसएल नारायणन।

महिला वर्ग: एलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना, कैटेरिना लैग्नो, एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक, नाना डेजाग्निड्जे, वेलेंटीना गुनिना, कोनेरू हम्पी, आर. वैशाली, डी. हरिका, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल।

टी20 विश्व कप विजेता न्यूजीलैंड की महिला टीम के बीच पुरस्कार राशि को बांटा जायेगा

एजेंसी
वेलिंगटन

महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराने वाली न्यूजीलैंड 'व्हाइट फर्न्स' क्रिकेट टीम को पुरस्कार राशि में मिली 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19.33 करोड़ रुपये) को खिलाड़ियों के बीच बांटा जायेगा। इससे टीम के प्रत्येक सदस्य के हिस्से में लगभग 155,000 डॉलर (1.31 करोड़ रुपये) आयेंगे। पिछले कई वर्षों से पुरुष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय समानता हासिल करने के लिए वर्षों तक संघर्ष कर रही महिला टीम के सदस्यों के लिए यह बड़ी रकम है। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड की पहली जीत अप्रत्याशित है। टूर्नामेंट के अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराने से पहले 'व्हाइट फर्न्स' ने लगातार 10 टी20 मैच गंवाए थे। न्यूजीलैंड ने अपने अभियान के दौरान लीग चरण में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में छह बार की चैम्पियन और खिताब के दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया था लेकिन फाइनल में यह टीम दबाव में एक बार फिर बिखर गयी। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 38 गेंदों पर 43 रन बनाए और फिर 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान सूजी बेट्स ने भी 32 रन का योगदान दिया। फाइनल में 25 रन पर तीन विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की गेंदबाज रोजमेरी मायेर ने कहा, 'इमानदारी से कहूं तो यह अविश्वसनीय है।' उन्होंने कहा,' हम बस एक-दूसरे की बहुत परवाह करते हैं। पिछले 18 महीनों में हम कई कठिनाइयों से गुजरे हैं और हम एक-दूसरे के साथ बने रहे और एक-दूसरे के लिए कड़ी मेहनत करते रहे।'

अब कोई दर्द नहीं है, ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में अभी समय है : मोहम्मद शमी

एजेंसी
गुरुग्राम

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं लेकिन उन्होंने सोमवार को कहा कि उन्हें अब जरा भी दर्द महसूस नहीं हो रहा है और वह अगले महीने शुरू होने वाले आस्ट्रेलिया के दौरे के लिए अब भी दौड़ से बाहर नहीं हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में समाप्त हुए भारत के शुरूआती टेस्ट के बाद उन्होंने नेट पर गेंदबाजी की। हालांकि कुछ दिन पहले कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया था कि उनके घुटने में सूजन है जिससे पिछले साल लगी टखने की चोट से उबरने के लिए चल रहा उनका 'रिहैबिलिटेशन' प्रभावित हुआ। 'यूजेनिक्स हेयर साइंसेस' द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान इस 34 साल के गेंदबाज ने अपनी क्रिकेट यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा, 'मैंने कल जिस तरह गेंदबाजी की, उससे मैं खुश हूं। मैं इससे पहले आधे 'रन-अप' से गेंदबाजी कर रहा था क्योंकि मैं ज्यादा दबाव नहीं लेना चाहता था। लेकिन कल मैंने पूरे 'रन-अप' से गेंदबाजी की।'

लेवांडोवस्की और टोरे के दो-दो गोल से बासीलीना ने सेविला को रौंदा

मैड्रिड। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने दो और गोल करके स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग 'ला लीगा' में अपने गोलों की संख्या 12 तक पहुंचा दी जिससे बासीलौना ने सेविला को 5-1 से शिकस्त दी। बासीलौना के लिए रविवार को खेले गये इस मैच में पाब्लो टोरे ने भी दो जबकि पेड्रि ने एक गोल किया। इस जीत से बासीलौना ने चिर प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड पर तीन अंक की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। यह दोनों टीमों इस सप्ताह जब आपस भी भिड़ेंगी तो बासीलौना के हौसले बुलंद होंगे। बासीलौना के लिए दिग्गज मिडफील्डर गावी ने घुटने की चोट से उबर कर लगभग एक साल के बाद मैदान पर वापसी की। वह मैच के 83वें मिनट में पेड्रि की जगह मैदान पर उतरे।

भारतीय टीम विश्व ब्रिज खेलों में पेश करेगी मजबूत चुनौती

एजेंसी
नई दिल्ली

विनय देसाई के नेतृत्व में मजबूत भारतीय दल 22 अक्तूबर से तीन नवंबर तक ब्यूनस आयर्स में होने वाले 16वें विश्व ब्रिज खेलों की सभी चार श्रेणियों में चुनौती पेश करने के लिए तैयार है। भारतीय दल में 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणव बर्धन (सीनियर वर्ग), राजू तालानी और जैग्गी शिवदासानी (ओपन वर्ग) जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल है इस प्रतियोगिता के 'ओपन' वर्ग में 34 जबकि महिला वर्ग में 24 देश प्रतिस्पर्धा करेंगे। टूर्नामेंट के पहले चरण में राउंड रोबिन मुकाबले होंगे। इससे क्वालीफाई करने वाली टीमें अंतिम 16 के नॉकआउट चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतियोगिताएं ओपन, वरिष्ठ, महिला और मिश्रित श्रेणियों में आयोजित की जाएंगी। डब्ल्यूबीएफ (विश्व ब्रिज महासंघ) के अध्यक्ष जान कामरास ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'डब्ल्यूबीएफ यह सुनिश्चित करने के लिए कई नए उपाय कर रहा है कि सभी प्रतिभागियों हमारे आदर्श वाक्य 'बुरे व्यवहार के लिए शून्य सहनशीलता' का सम्मान किया जाए।'

रोनाल्डो और अल नासर का एसीएल मैच सुरक्षा कारणों से ईरान की बजाय दुबई में

वॉशिंगटन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अल नासर क्लब का तेहरान के एस्तेगलाल क्लब के खिलाफ एएफसी चैम्पियंस लीग एलीट फुटबॉल मैच ईरान में सुरक्षा चिंताओं के कारण अब संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में होगा। एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने पिछले सप्ताह जारी बयान में इसकी जानकारी दी थी। भारत ने इस फैसले पर हैरानी जताई है क्योंकि सात अक्तूबर को एएफसी ने कहा था कि कोलकाता के मोहन बागान क्लब ने ट्रैक्टर एससी के खिलाफ दो अक्तूबर को दूसरी श्रेणी के एएफसी चैम्पियंस लीग दो के मैच के लिये ईरान जाने से इनकार किया था लिहाजा माना जायेगा कि उसने नाम वापिस ले लिया है। सिर्फ अल नासर ही नहीं बल्कि ट्रैक्टर का ताजिकिस्तान के रावशान के खिलाफ घरेलू मैच भी अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता, धीरज हारे

एजेंसी
टिलेक्सकला (मैक्सिको)

भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता। वह फाइनल में चीन की लि जियामैन से 0 .6 से हार गई। दिसंबर 2022 में अपनी बेटी के जन्म के बाद विश्व कप फाइनल में लौटी चार बार की ओलंपियन दीपिका को आठ तीरंदाजों में तीसरी वरीयता मिली थी। सेमीफाइनल तक दीपिका को कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली जियामैन से हार गई। दीपिका नौवीं बार विश्व कप फाइनल खेल रही थी। भारत के लिये विश्व कप फाइनल में सिर्फ डोला बनर्जी ने स्वर्ण पदक जीता था जब दुबई में 2007 में वह अव्वल रही थी। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मादेवरा 4-2 से आगे रहने के बावजूद पहले दौर में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक से हार गए। पांच सदस्यीय भारतीय दल में तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज थे। भारत की झोली में सिर्फ एक पदक गिरा।

ऐसे बनाएं डिलीशियस 'मशरूम गॉर्लिक सॉस'

- 100 ग्राम टोफू, 100 ग्राम बटन मशरूम, 1 कप ब्रॉक्ली, 15 ग्राम थाई रेड चिली, 3 कली लहसुन बारीक कटी हुई, 1-1 लाल व पीली शिमला मिर्च, 1 टीस्पून चिली पेस्ट, जरूरत भर रिफाइंड ऑयल, 1 टीस्पून चिली ऑयल, 15 मिली कुकिंग वाइन, 15 मिली सैसमे ऑयल, 2 लंबे स्लाइसेज में कटे प्याज, 1 टेबलस्पून सोया सॉस, 2 टेबलस्पून टमैटो केचअप, 2 टेबलस्पून कॉर्नफ्लोर, नमक, चुटकी भर चीनी, 3 ग्राम सीजनिंग पाउडर (ऑरगेनो, थाइम और चिली फ्लेक्स) को मिलाकर तैयार किया गया। 4 टेबलस्पून बारीक कटा स्प्रिंग अनियन।

मशरूम गॉर्लिक सॉस बनाने की विधि

- तेज उबलते पानी में ब्रॉक्ली और मशरूम को तीन मिनट तक पकाएं। अब इन्हें ठंडे पानी में डाल दें।
- टोफू को टुकड़ों में काटें और फाई करें।
- कड़ाही में तेल डालें। इसमें लहसुन, चिली सॉस, शिमला मिर्च, सोया सॉस, टमैटो केचअप, सैसमे ऑयल, वाइन, नमक और चीनी डालकर मिलाएं। जरूरत हो तो पानी भी मिलाएं।
- थोड़ी देर पकाएं। कॉर्नफ्लोर और पानी का घोल तैयार करें। इसे भी मिलाएं।
- फ्राइड टोफू पकाएं। मशरूम और ब्रॉक्ली डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- प्लेट में निकालें और गरमा-गरम सर्व करें।

सेहत के लिए फायदेमंद है वेजिटेबल नूडल सूप

सामग्री

- 150 ग्राम नूडल्स
- तीन टमाटर
- एक गाजर, शिमला मिर्च, अदरक
- आधा कटोरी मटर के दाने
- आधी छोटी चम्मच काली मिर्च
- आधी छोटी चम्मच सफेद मिर्च
- आधे नींबू का रसदो हरी मिर्च
- दो बड़े चम्मच मक्खन
- नमक स्वादानुसार
- मक्खन और कटा हुआ हरा धनिया सजाने के लिए

विधि

- वेजिटेबल नूडल सूप बनाने के लिए आप सबसे पहले टमाटर और गाजर धोकर बारीक काट लें। शिमला मिर्च भी निकालकर काट लें। अब एक पैन में मक्खन पिघलाएं।
- इस पैन में हरी मिर्च और अदरक डालकर हल्का भून लें। अब मटर डालकर हल्का नर्म कर लें। इसमें टमाटर, गाजर और शिमला मिर्च डालें। हल्का नमक छिड़कने के बाद सब्जियों को हल्का भून लें।
- इसमें दो गिलास पानी डाल दें। जब पानी में उबाल आ जाए तो इसमें नूडल डालिए। आंच कम करके पांच मिनट तक पकने दें। ध्यान रहे कि जब ये पक रहा हो तो इसे बीच-बीच में चलाते रहें। अब स्वाद के अनुसार और नमक, काली मिर्च और सफेद मिर्च डालें।
- करीब पांच मिनट तक और पकाएं। फिर गैस बंद कर दें और नींबू का रस डालें। अब तैयार है आपका वेजिटेबल नूडल सूप। आप चाहें तो इसमें और कई सब्जियां डाल सकते हैं या फिर इसके ऊपर मक्खन और हरा धनिया डालकर सर्व कर सकते हैं।

त्योहारों में बनाने और खिलाने के लिए बेस्ट होती है पनीर की पूड़ी

त्योहार का सीज़न शुरू हो चुका है तो रोजाना कुछ न कुछ अलग बनाने और खाने का दिल करता है। और पूड़ी, परांठे तो हमेशा से ही सबके फेवरेट रहे हैं। तो आज जानें आसानी से पनीर पूड़ी बनाने की रेसिपी।

सामग्री

3/4 कप पनीर (कद्दूकस किया हुआ), 1 कप गेहूं का आटा, 1 टेबलस्पून बेसन, 1-1 टीस्पून सूजी, गरम मसाला पाउडर और लाल मिर्च पाउडर, आधा-आधा टीस्पून अजवायन और जीरा, थोड़ा-सा हरा धनिया (कटा हुआ), नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल

- फाई करने के लिए तेल को छोड़कर बाउल में सारी सामग्री मिक्स करें। आवश्यकतानुसार पानी मिलाकर गूंध लें। ध्यान रहे, आटा न तो बहुत अधिक कड़क हो और न ही गीला। ढककर 5 मिनट के लिए छोड़ दें।
- हाथों में हलका तेल लगाकर लोई बनाएं और पूड़ी बेलें। कड़ाही में तेल गरम करके सुनहरा होने तक फाई कर लें। आलू-टमाटर या अपनी मनपसंद सब्जी के साथ सर्व करें।

कुछ अलग और खास बटर चिकन बनाएं

बनाने की विधि

- एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक कप टॉमेटो प्यूरी, 2 बड़े चम्मच बटर, एक बड़ा चम्मच तेल, एक छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, एक छोटा चम्मच लाल मिर्च पावडर, एक छोटा चम्मच गरम मसाला, एक छोटा चम्मच जीरा, एक तेजपत्ता, आधा कम दही और नमक स्वादानुसार।

5 लोगों के लिए बनाने के लिए सामग्री

- एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक कप टॉमेटो प्यूरी, 2 बड़े चम्मच बटर, एक बड़ा चम्मच तेल, एक छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, एक छोटा चम्मच लाल मिर्च पावडर, एक छोटा चम्मच गरम मसाला, एक छोटा चम्मच जीरा, एक तेजपत्ता, आधा कम दही और नमक स्वादानुसार।

चिकन के लिए

- एक किग्रा बोनलेस चिकन, एक बड़ा चम्मच तेल, एक छोटा चम्मच गरम मसाला, एक चुटकी काली मिर्च, एक बड़ा चम्मच कॉर्न फ्लोर, चौथाई कप पानी।

बनाने की विधि

- एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें तेज पता और जीरा डालें। फिर इसमें बारीक कटा प्याज डालें और प्याज के सुनहरे भूरे होने तक पकाएं। फिर इसमें बटर, अदरक-लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला और लाल मिर्च पावडर डालें, एक मिनट तक पकाएं। अब इसमें टॉमेटो प्यूरी, नमक और थोड़ा-सा पानी मिलाएं। ढक्कन ढंक कर 10 मिनट तक पकाएं, पका कर अलग रखें।

चिकन के लिए

- एक पैन में तेल गर्म करें, इसमें चिकन के टुकड़ों को डालकर हल्का भूरा होने तक तलें। अब इसमें गरम मसाला और काली मिर्च मिलाएं। इसके बाद इसमें 6-7 चम्मच सॉस डालें और पानी छोड़ने तक पकाएं। अब आंच बंद कर दें।

चिकन बटर मसाला

- अब इन तले हुए चिकन के टुकड़ों को ग्रेवी में डालें और अच्छे से मिलाएं, फिर ढक्कन से ढंक कर 5-10 मिनट के साथ पकाएं। अंत में हरे धनिए से गार्निश करें और आंच बंद कर दें। अब इसे गरमा-गरम रोटी या चावल के साथ सर्व करें।

साइबर क्राइम एवं डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए अज्ञात फोन कॉल्स उठाने से बचें: रिजर्व बैंक लोकपाल राजीव द्विवेदी

जानकर बने, सावधान रहें : रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

आए दिन हो रहे साइबर क्राइम एवं डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए बैंक उपभोक्ताओं को जागरूक होना चाहिए व उन्हें एक तो अज्ञात नंबर वाली फोन कॉल्स उठाने से बचना चाहिए तथा साथ ही ऐसी कॉल्स आने पर शीघ्रातिशीघ्र संबंधित बैंक में शिकायत करनी चाहिए। ये कहना था रिजर्व बैंक लोकपाल राजीव द्विवेदी का, जो भारतीय रिजर्व बैंक की चंडीगढ़ शाखा के चीफ जनरल मैनेजर भी हैं। वे आज यहाँ चण्डीगढ़ स्थित रिजर्व बैंक लोकपाल कार्यालय द्वारा चण्डीगढ़ प्रेस क्लब के सहयोग से क्लब के सदस्यों के लिए वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में रिजर्व बैंक लोकपाल योजना की जानकारी बढ़ाना एवं डिजिटल लेन-देन में धोखाधड़ी से सजग करना था। उन्होंने कहा कि इस धोखाधड़ी का शिकार अधिकतर सम्पन्न वर्ग के लोग तथा डॉक्टर्स एवं एडवोकेट्स आदि हो रहे हैं।

140 करोड़ आबादी वाले देश में 340 करोड़ बैंक जमा खाते ओर रोज होती हैं 1500 करोड़ डिजिटल ट्रांजैक्शंस

उन्होंने सहभागियों को बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के ग्राहकों के अधिकारों के साथ-साथ जिम्मेदारियों और कर्तव्यों पर भी प्रकाश डाला। अधिक केंद्रित तरीके से प्रतिभागियों को ओटीपी, खाता/कार्ड विवरण, पिन, इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड आदि साझा न करने के रूप में सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के लिए क्या करें और क्या न करें के बारे में जागरूक किया गया। प्रतिभागियों को भारत सरकार द्वारा शुरू की गई 'संचारसारथी' वेबसाइट (https://www.sancharsaarthi.gov.in) के बारे में जागरूक किया गया, जो नागरिकों के लिए संदिग्ध कॉल / फि शिंग लिंक के विवरण की रिपोर्ट करने की सुविधा के रूप में है। प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया कि उन्हें केवल सेवा प्रदाताओं के आधिकारिक ऐप, वेबसाइट और कॉल सेंटर नंबर का ही उपयोग करना चाहिए। छोटे वीडियो के माध्यम से, प्रतिभागियों को वित्तीय क्षेत्र के भोले-भाले ग्राहकों को धोखा देने के लिए धोखेबाजों द्वारा अपनाए जाने वाले ह्यसामान्य तरीके' के बारे में भी अवगत कराया गया। इस संबंध में उनसे आरबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध 'बी(अ)वेयर' पुस्तिका पढ़ने का भी अनुरोध किया गया। प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया कि मोबाइल पर केवाईसी विवरण अपडेट करने, बिजली का कनेक्शन काटने, सिम कार्ड ब्लॉक करने, क्रेडिट कार्ड में रिवॉर्ड पॉइंट भुनाने, टेलीग्राम के माध्यम से नौकरी की पेशकश आदि जैसे किसी भी लिंक को डाउनलोड करके या अन्यथा आने वाले संदेशों पर अत्यधिक सावधानी से बरतनी चाहिए। इसी प्रकार, विदेशी रिश्तेदारों को निधियों के विप्रेषण के संबंध में प्राप्तकर्ताओं को दिए गए किसी भी संदेश पर उचित पुष्टि के बाद ही कार्रवाई की जानी चाहिए। सहभागियों से कहा गया कि इस तरह के संदेशों के साथ आने वाले फोन कॉलों से अत्यंत सावधान रहना है। प्रतिभागियों का ध्यान आरबीआई कहता है.. जानकर बने, सावधान रहें! की ओर आकर्षित किया गया। प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि बैंकों की सेवाओं और गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं में कमी के संबंध में शिकायतें रिजर्व बैंक एकीकृत लोकपाल योजना 2021 के तहत जांच के लिए https://www.cms.rbi.org.in पर दर्ज की जा सकती है या मुख्य महाप्रबंधक, केंद्रीय प्राप्ति एवं प्रसंस्करण केंद्र, भारतीय रिजर्व बैंक, सेंट्रल विस्टा, सेक्टर 17 ए, चंडीगढ़ -160017 को भेजी जा सकती हैं। कार्यक्रम में लोकपाल कार्यालय के अधिकारियों के अलावा चण्डीगढ़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष नलिन आचार्य और महासचिव उमेश शर्मा भी उपस्थित थे।

मानुष जन्म सर्वोत्तम योनि: निरंकारी सत्गुरू

चंडीगढ़ की धरा पर निरंकारी सतगुरु माता जी का आगमन

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

सभी योनियों में से मानुष जन्म को सर्वोत्तम कहा गया है क्योंकि केवल इसी जन्म में ही इन्सान की आत्मा जो जन्मों-जन्मों से भटक रही थी ब्रहमज्ञान की प्राप्ति से परमात्मा की जानकारी हासिल कर सकती है। वास्तव में मानुष जन्म का उद्देश्य भी यही है क्योंकि इन्सान की आत्मा परमात्मा का अंश है और इसका मुख्य उद्देश्य परमात्मा की जानकारी प्राप्त करके परमात्मा के गुणो को हासिल करना है, ये उद्गार चंडीगढ़ में सैक्टर 34 के विशाल मेला ग्राउण्ड में हुए निरंकारी सन्त समागम के अवसर पर सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज ने हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

परमात्मा के प्रति मनों में उत्पन्न होने वाले भ्रमों की चर्चा करते हुए सत्गुरू माता सुदीक्षा जी ने कहा कि परमात्मा की जानकारी से पूर्व इन्सान के मनों में जो ख्याल आते हैं कि परमात्मा कहां है, यह किस दिशा में है, कोई इसे आसमान में बताता है कोई इसे शरीर के किसी विशेष हिस्से में बताता है लेकिन ब्रहमज्ञान प्राप्ति के बाद इन्सान को कण-कण में परमात्मा का एहसास होने लगता है और उसके मनों में उत्पन्न होने वाले सभी भ्रम दूर हो जाते हैं।

सत्गुरू माता सुदीक्षा जी ने जीवन में आने वाले सुख झ्र दुखो की चर्चा करते हुए कहा कि संसार में रहते हुए सभी इन्सानों के जीवन में सुख दुख आते हैं किसी को तन का दुख, किसी को मानसिक चिन्ता का दुख और किसी को आर्थिक तंगी का दुख। जो परमात्मा से दूर होते हैं वो ऐसी घड़ी में परमात्मा को ही दोष देते हैं लेकिन परमात्मा को जानने वाले भक्त हमेशा शुक्राना भाव में रहते हैं।

परमात्मा की जानकारी हो जाने के बाद इन्सान के जीवन में आने वाले बदलाव पर फरमाते हुए सत्गुरू माता सुदीक्षा जी ने कहा कि ब्रहमज्ञान के बाद इन्सान के मन में अपने पराए या जात पात का भाव समाप्त हो जाता है, फिर किसी के प्रति दिलों में दूरियां नहीं रहती, हृदय विशाल हो जाता है और प्यार करूणा दया सहनशीलता आदि दिव्य गुण प्रवेश करने लग जाते हैं।

इससे पूर्व चण्डीगढ़ के जोनल इन्चार्ज श्री ओ पी निरंकारी ने सर्वत्र साधसंगत की ओर से सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज व निरंकारी राजपिता जी का यहां उपस्थित होने पर उनका स्वागत व धन्यवाद किया। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम को सफल बनाने में चण्डीगढ़ प्रशासन, नगरपालिका, पुलिस प्रशासन व अन्य के अतिरिक्त सभी स्थानीय संयोजकों, मुखियों व सेवादल अधिकारियों व सदस्यों का धन्यवाद किया।

हिमाचल सह प्रभारी टंडन ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा से की मुलाकात

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हिमाचल प्रदेश के सह प्रभारी संजय टंडन ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से नई दिल्ली में मुलाकात की। नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में संगठन पर्व कार्यशाला, सक्रिय सदस्यता एवं संगठनात्मक चुनाव को लेकर बैठक का आयोजन हुआ था। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हिमाचल प्रदेश में सदस्यता अभियान को लेकर संजय टंडन की सार्थक भूमिका की सराहना की। इसके साथ ही हिमाचल में सदस्यता अभियान के लक्ष्य को हासिल करने पर बिहारीलाल शर्मा को सम्मानित किया। हिमाचल सह प्रभारी संजय टंडन ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन प्रेरणादायक है। उनके नेतृत्व में संगठन मजबूत हो रहा है। यही नहीं सदस्यता अभियान में लोगों ने भाजपा के साथ जुड़कर राष्ट्र सेवा के लिए अपने आप को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही सबकी और समूचे समाज की पार्टी है, जबकि दूसरी पार्टियों में परिवारवाद व क्षेत्रवाद को बोलबाला है। हिमाचल सह प्रभारी संजय टंडन ने कहा कि यह भाजपा हिमाचल प्रदेश के लिए गौरव का विषय है कि हमने देवतुल्य कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के परिणामस्वरूप देश में दूसरे स्थान पर रहते हुए 15.50 लाख सदस्य बना लिए है। सदस्यता अभियान संगठन पर्व के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड ने अपना सदस्यता लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि 2 सितंबर 2024 को दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के सदस्यता अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से किया गया।

फ्रांस का ऑफिशियल एजुकेशन फेयर 'चूज फ्रांस टूर 2024' आयोजित

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

चूज फ्रांस टूर 2024 चंडीगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जो पाँच प्रमुख भारतीय शहरों में आयोजित एजुकेशन फेयर की श्रृंखला में मील का पत्थर साबित हुआ। सेक्टर 35 के जे डब्ल्यू मैरिएट में आयोजित इस कार्यक्रम में फ्रांस में उच्च शिक्षा के अवसरों को तलाशने के लिए उत्सुक भारतीय छात्रों और उनके परिवारों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई।

फ्रेंच गवर्नमेंट और कैंपस फ्रांस द्वारा आयोजित इस टूर में 50 से अधिक प्रतिष्ठित फ्रेंच यूनिवर्सिटीज और हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स शामिल थे। इस फेयर ने उपस्थित लोगों को एकेडेमिक प्रतिनिधियों से सीधे जुड़ने, विविध अध्ययन कार्यक्रमों की खोज करने और फ्रांस में स्कॉलरशिप, वीजा और स्टूडेंट्स लाइफ पर पर्सनल गाइडेंस प्राप्त करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया। फ्रांस में अध्ययन के लाभों पर जोर देते हुए, भारत में फ्रांस के अम्बेसडर डॉ. थिएरी माथ्यू ने कहा, फ्रांस के दरवाजे भारतीय छात्रों के लिए व्यापक रूप से खोलने के लिए चूज फ्रांस टूर का छठा संस्करण भारत का दौरा है। उच्च शिक्षा के लिए फ्रांस को चुनने का मतलब है गुणवत्ता और उत्कृष्टता की गारंटी चुनना जो आपके करियर की संभावनाओं को मजबूत करेगा। फ्रेंच यूनिवर्सिटी विश्व स्तर के हैं - शंघाई रैंकिंग में फ्रांस विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है, और हमारे पास 76 नोबेल पुरस्कार विजेता और 15 फील्ड्स पदक विजेता हैं। आप सभी का फ्रांस में स्वागत है!

इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, हॉस्पिटैलिटी, आर्ट्स, आर्किटेक्चर और अन्य क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रमों सहित शैक्षणिक पथों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई। हाई-स्कूल स्नातकों और अन्य भावी छात्रों को कैंपस फ्रांस के सलाहकारों के साथ मुफ्त परामर्श सत्रों से लाभ हुआ, जिससे उन्हें विभिन्न कैरियर अवसरों को नेविगेट करने में मदद मिली।

3,500 से ज्यादा संस्थानों और 1,700 से ज्यादा अंग्रेजी में पढ़ाए जाने वाले कार्यक्रमों के साथ, फ्रांस सभी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करता है। फ्रेंच में पढ़ने में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए, स्पेशल क्लासेस इंटरनेशनल (अंतर्राष्ट्रीय कक्षाएँ) स्थापित की गई हैं, जिससे फ्रेंच भाषा में कम या बिलकुल भी प्रवीणता न रखने वाले छात्रों को फ्रांस में फाउंडेशन वर्ष बिताने का मौका मिलता है, जहाँ वे अपनी रुचि के क्षेत्र से संबंधित विषयगत पाठ्यक्रम के साथ फ्रेंच भाषा का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

एलायंस फ्रांसेस नेटवर्क ने भी चूज फ्रांस टूर में भाग लिया, जिसमें फ्रेंच भाषा और सांस्कृतिक विसर्जन कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। विश्व स्तर पर 320 मिलियन से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा फ्रेंच सीखना, भारत और विदेशों में शैक्षणिक संभावनाओं और करियर की सफलता दोनों को बढ़ाता है।

फ्रांस की जीवंत अर्थव्यवस्था, जो दुनिया में 7वीं सबसे बड़ी है, बेहतरीन करियर संभावनाएं प्रदान करती है। भारत में 600 से अधिक फ्रांसीसी कंपनियां कार्यरत हैं, जिनमें 400,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं, एक फ्रांसीसी डिग्री ग्लोबल और स्थानीय अवसरों के द्वार खोलती है।

चूंकि फ्रांस अपनी विश्वस्तरीय शिक्षा प्रणाली, जीवंत संस्कृति और आशाजनक कैरियर संभावनाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करना जारी रखता है, इसलिए चूज फ्रांस टूर भारतीय प्रतिभा और फ्रांसीसी शैक्षणिक उत्कृष्टता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का काम करता है।

मेयर द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के निर्देश

चंडीगढ़। सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग को कम करने के प्रयास में, चंडीगढ़ नगर निगम ने सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों, व्यापारियों और नागरिकों पर भारी जुमार्ना लगाने का फैसला किया है। स्ट्रॉ, प्लास्टिक बैग और डिस्पोजेबल कटलरी जैसी वस्तुओं को लंबे समय से पर्यावरण क्षरण में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में पहचाना जाता रहा है, जो ग्रह के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है। नियमों के तहत, सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को उनके पहले अपराध के लिए भारी जुमार्ना का सामना करना पड़ेगा, और बार-बार उल्लंघन करने वालों को और भी कठोर दंड का सामना करना पड़ेगा, जिसमें उनके व्यवसायों को अस्थायी या स्थायी रूप से बंद करना शामिल है। अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, नगर निगम ने अपनी मंडी, किराना स्टोर और सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग या बिक्री करने वाले अन्य व्यवसायों सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों में नियमित जांच करने के लिए निरीक्षकों की एक टीम तैनात की है।

पीयू में फीस बढ़ोतरी और सीनेट चुनाव न करवाने पर नाराज छात्र संगठनों ने भूख हड़ताल की शुरू

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी में सीनेट चुनाव की मांग को लेकर सोमवार को कैंपस के सभी छात्र संगठन एकजुट हो गए, जिनमें से कई ने भूख हड़ताल भी शुरू कर दी है। सोमवार को एएसए, सीवाईएएस, पीएफएसए, आरएसए, सथ, एसएफएस, सोई और सोपू सहित कई छात्र संगठनों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले बीती 18 अक्टूबर को, सथ ने यूनिवर्सिटी अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया; हालांकि, विश्वविद्यालय के किसी भी प्रतिनिधि ने छात्रों से उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए बात नहीं की। सोमवार से अनिश्चितकालीन 24/7 विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। प्रदर्शन के दौरान, विभिन्न संगठनों के छात्र कार्यकताओं ने अपने दृष्टिकोण व्यक्त किए। इस दौरान सथ कार्यकताओं ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी के केंद्रीकरण और निजीकरण के उद्देश्य से एक व्यापक एजेंडे के हिस्से के रूप में माना जाता है, जो संस्थान पर पंजाब के ऐतिहासिक दावे को कमजोर करता है। छात्र संगठन ऐसा नहीं होने देगें। क्योंकि ऐतिहासिक रूप से, नैतिक रूप से और राजनीतिक रूप से, पंजाब का पीयू पर अधिकार है। साथ पंजाब और छात्रों के अधिकारों के लिए खड़ा है और संघर्ष जारी रखेगा। हालांकि पीयू की विद्यार्थी परिषद का कोई भी प्रतिनिधि संयुक्त विरोध में शामिल नहीं हुआ। सथ ने सीनेट चुनाव कराने के लिए अनिश्चित काल के लिए 24/7 विरोध शुरू किया है।

कानूनी जागरूकता पर कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप का आयोजन

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ लॉ की लीगल एड सोसाइटी ने सोमवार को स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (एसएलएसए), चंडीगढ़ के सहयोग से लीगल अवेयरनेस पर एक सफल कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप का आयोजन किया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता डिपार्टमेंट की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. वंदना अरोड़ा और फैकल्टी इन चार्ज प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार ने की। कार्यशाला में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज और एसएलएसए यूटी चंडीगढ़ के मेम्बर सेक्रेटरी सुरेंद्र कुमार ने भाग लिया। उन्होंने संज्ञानात्मक अपराधों में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया (धारा 173 बीएनएस) और जीरो एफआईआर के लाभों पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने ऑल्टरनेट डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन (एडीआर) तंत्र के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जो विवादों के समाधान में प्रभावशीलता लाने में सहायक होते हैं। इसके साथ ही, उन्होंने जन उपयोगी सेवाओं के लिए स्थायी लोक अदालतों के कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

प्रशासन द्वारा भिखारियों से मुक्त शहर के लिए जागरूकता अभियान शुरू

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

यूटी प्रशासन ने 8 दिवसीय जागरूकता अभियान शुरू किया है। यूटी के प्रशासक के सलाहकार राजीव वर्मा ने चंडीगढ़ सचिवालय में इस अभियान का उद्घाटन किया। यह अभियान शहर में भिक्षावृत्ति को समाप्त करने और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के अधिक दयालु तरीके को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। विभिन्न विभाग इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। पुलिस विभाग, मानव तस्करी रोधी इकाई और केंद्र शासित प्रदेश बाल संरक्षण इकाई के सहयोग से बचाव अभियान चलाएगा। आबकारी विभाग सड़क पर भीख मांगने और शोषण पर अंकुश लगाने के लिए बाजार क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाएगा। स्कूली शिक्षा विभाग भिक्षावृत्ति के सामाजिक प्रभावों के बारे में बच्चों को शिक्षित करने के लिए स्कूलों में जागरूकता बढ़ाएगा। इसके अतिरिक्त, एनएसएस स्वयंसेवक जागरूकता फैलाने और भिक्षा देने को हतोत्साहित करने के लिए फ्लैश मॉब के माध्यम से जनता को शामिल करेंगे। नागरिकों को 21 से 28 अक्टूबर 2024 तक नामित 'नेकी की दीवार' स्थानों: नारी निकेतन, सेक्टर 26; वृद्धाश्रम, सेक्टर 15 और 43; और स्नेहलया, सेक्टर 39 में नए मोजे, दस्ताने, जूते, मफलर, स्कार्फ और स्कूल की आपूर्ति जैसी सर्दियों की आवश्यक वस्तुओं को दान करके योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रशासक के सलाहकार ने चंडीगढ़ के नागरिकों से आग्रह किया कि वे भिखारियों को भीख न दें और सड़कों, ट्रैफिक सिग्नल और गोल चक्कर में बच्चों से चीजें न खरीदें ताकि भीख, बाल तस्करी और बाल श्रम की समस्याओं पर अंकुश लगाया जा सके।

संक्षिप्त-समाचार

चारों ब्लॉकों में समाधान शिविर आज से

पंचकूला। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजन सिंगला की अध्यक्षता में डीडीपीओ कार्यालय में आयोजित बैठक की हुई। बैठक में सिंगला ने समाधान शिविर लगाने को लेकर संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश दिए। उन्होने बताया कि जनसेवा से जुडी समस्याओं का मौके पर समाधान करने को लेकर जिला के चारों ब्लॉकों में 22 अक्तूबर 2024 से प्रातः 9 से 11 बजे बीडीपीओ कार्यालय पर अगले एक महीने तक समाधान शिविर का प्रत्येक कार्य दिवस को आयोजन किया जाएगा। राजन सिंगला ने बताया कि मुख्य रूप से स्वामित्व योजना से जुडी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक कार्यदिवस को हर ब्लॉक के बीडीपीओ कार्यालय पर समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। समाधान शिविर जिला के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों की समस्याओं का शीघ्र और मौके पर समाधान के लिए ये शिविर आयोजित किए जाऐंगे। सिंगला ने निर्देश दिए कि स्वामित्व स्कीम से जुडी हुई ग्रामीणों की किसी भी समस्या का अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर निवारण करें। प्रतिदिन समाधान शिविर में किए गए कार्यो की रिपोर्ट मुख्यालय सीनियर अधिकारियों को भेजी जाएगी, इसमें किसी भी किस्म की कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी। समाधान शिविर में बीडीपीओ, एसईपीओ, ग्राम सचिव, पटवारी तथा संबंधित अधिकारी मौके पर ही मौजूद रहकर समस्याओं का निपटारा करेंगे। इस अवसर पर बीडीपीओ पिंजौर विनय प्रताप, बीडीपीओ मोरनी अंकुर, बीडीपीओ रायपुररानी परमनंदन, परियोजना अधिकारी चिराग मेहरा तथा अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

9वें आयुर्वेद दिवस अवसर पर 29 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में होंगे विशेष कार्यक्रमः कुलपति

पंचकूला। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला में 9वें आयुर्वेद दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार विषय पर लोगो को लाभान्वित किया जाएगा। आयुर्वेद संस्थान के कुलपति, प्रोफेसर संजीव शर्मा ने इस बारे जानकारी देते हुए बताया कि जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, संस्थान में इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इनमें मैराथन के अलावा जनता के लिए क्विज प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा स्कूल स्वास्थ्य जागरूकता संवाद, बड़े पैमाने पर प्रकृति परीक्षण, मुफ्त चिकित्सा शिविर जैसे कई अन्य आयोजन भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद दिवस 29 अक्तूबर को आयुर्वेद नवाचार और वैश्विक स्वास्थ्य के विषय पर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा और आयुर्वेद दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी दिए जाएंगे। संस्थान के कुलपति, प्रोफेसर संजीव शर्मा ने आम जनता से अनुरोध किया है कि इन कार्यक्रमों में भाग लेकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं ' इसके अलावा एक साथ मिलकर आयुर्वेद को अपनाएं और सकारात्मक स्वास्थ्य की प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाएं। यह एक कारगर औषधि है। आयुर्वेद एवं कार्यक्रम से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, सेक्टर 5 ऊ एमडीसी, पंचकूला से भी संपर्क किया जा सकता है।

गांव स्तर पर तातीमा कार्य को शैडयूल बनाकर करें पूराः डॉ. यश गर्ग

पंचकूला। उपायुक्त डा. यश गर्ग ने जिला राजस्व अधिकारी को कहा कि वे गांव स्तर पर तातीमा कार्य को शैडयूल बनाकर पूरा करवाएं। शैडयूल के अनुसार काम को समय पर पूरा करवाने व गुणवत्ता की जांच के लिए अधिकारी नियुक्त करें। उपायुक्त डा. यश गर्ग आज लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के साथ हुई वीडियो कांफ्रेंस के बाद जिला के अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दे रहे थे। डा. यश गर्ग ने बताया कि पीडब्ल्यूडी लोक निर्माण विभाग द्वारा जहां से नई सड़कें निकाली गई और गांवों में अन्दर जो फिरनी आदि के तातीमा कार्य हैं, उन पर प्रदेश स्तर की टीमें काम कर रही है। इसके अलावा अन्य जगहों के तातीमा कार्य को पूरा करने के लिए पटवारियों समेत अन्य कर्मचारियों को टीम में शामिल कर इस काम को जल्द से जल्द पूरा करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस कार्य की जिला राजस्व अधिकारी खुद निगरानी करे। उन्होंने कहा कि गांवों में स्वामित्व प्लस योजना का कार्य चल रहा है। जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करके जमीन, प्लाटों की मेपिंग का कार्य अलग से टीमें कर रही है। गांवों में इस योजना के कार्य को पूरा करने के लिए ग्राम सचिवों की भी डयूटी लगाई जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को पूरा करने के लिए जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी समय सीमा निर्धारित करे और निर्धारित समय में कार्य को पूरा करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को करते समय किसी भी प्रकार की दिक्कत व परेशानी आने पर जिला प्रशासन को सूचना दें, ताकि उसे समय पर दूर करवाया जा सके। इस मौके पर नगर निगम की ज्वाइंट कमीश्नर सिमरनजीत कौर, जिला राजस्व अधिकारी डा. कुलदीप सिंह, जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी राजन सिंगला, नायब तहसीलदार हरदेव सिंह समेत अधिकारीगण मौजूद रहे।

पीयू में जोनल यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल 2024 का आगाज, 19 टीमें ले रही हिस्सा

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी में सोमवार से जोन 1 का जोनल यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल 2024 शुरू हो गया है। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायक भूपिंदर बब्बल मुख्य अतिथि तथा सौरभ कुमार अरोड़ा विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की शुरूआत पीयू की भांगड़ा टीम के सदस्य और समाजशास्त्र विभाग के छात्र स्वर्गीय पारस को श्रद्धांजलि अर्पित करके की गई, जिनका पिछले सप्ताह एक सडक दुर्घटना में निधन हो गया था। पीयू की वाइस चांसलर प्रोफेसर रेणु विग ने छात्रों को संबोधित करते हुए स्टूडेंट लाइफ में अकादमिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पीयू के रजिस्ट्रार प्रोफेसर वाईपी वर्मा, डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर अमित चौहान, बड़ी संख्या में विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के अधिकारी भी मौजूद थे। इस वर्ष जोन 1 में चंडीगढ़ क्षेत्र के जोन ए और जोन बी दोनों शामिल हैं। महोत्सव में विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों की 19 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें नाट्य, नृत्य, साहित्यिक, ललित कला और विरासत की विभिन्न प्रस्तुतियां शामिल हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित पुलिस थाना मैदान में एक श्रद्धांजलि परेड का आयोजन किया गया। हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस के शहीदों को याद किया जाता है, जिन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखा गया, ताकि शहीदों की याद में श्रद्धांजलि अर्पित की जा सके। सेंट्रल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन्स और स्टेट पुलिस इस दिन को शहीद दिवस के रूप में मनाते हैं। पैरामिलिटरी पुलिस बल और अन्य पुलिस संगठनों के पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में, चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक, सुरेंद्र सिंह यादव ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में शहीदों के परिवार के सदस्य भी शामिल हुए। पिछले वर्ष, 1 सितंबर 2023 से 31 अगस्त 2024 तक, 214 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अमूल्य उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। चंडीगढ़ पुलिस, जिसने 1966 में अपने कार्यकाल की शुरूआत की, हमेशा एक प्रभावी और कानून का पालन करने वाली सुरक्षा प्रणाली के लिए प्रयासरत रही है। इसी दिशा में, छह पुलिसकर्मी, इंस्पेक्टर जगजीत सिंह, इंस्पेक्टर सुच सिंह, सब-इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह, एएसआई अमरजीत सिंह, एएसआई लालू राम और एएसआई अमीन चंद ने अपनी ड्यूटी के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी।

योजना

समय पर भुगतान करने पर मिलेगा तीन वर्षों तक सात प्रतिशत ब्याज का अनुदान

मातृशक्ति उधमिता योजना के तहत ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में महिलाओ को दिया जा रहा है 3 लाख का ऋण: डॉ. यश गर्ग

सिटी दर्पण
पंचकूला

उपायुक्त डा. यश गर्ग ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से मातृशक्ति उधमिता योजना ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लागू किया गया है। इस योजना के तहत महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए बैकों के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के ऋण दिलवाना शामिल है। उन्होंने बताया कि जिला पंचकूला के लिये 40 लाभार्थियों को लोन देने लक्ष्य रखा गया है। डा. यश गर्ग ने बताया कि योजना के अन्तर्गत जिन महिलाओं की परिवारिक वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम हो। केवल हरियाणा की महिला उद्यमी तथा ऋण के लिए आवेदन के समय महिला

रिक्शा, टैक्सी, सैल्यून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटिक, बिस्कूट, हैण्डलूम, बैग बनाने, कैटींन सर्विस का काम कर सकते हैं शुरूः उपायुक्त

उघमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच हो, वो इस योजना की पात्र होगी। आवेदक पहले से लिए गए ऋण का भुगतान किया गया हो। उन्होंने बताया कि योजना के तहत समय पर किश्त का भुगतान करने पर तीन वर्षों तक सात प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा दी जायेगी। योजना के तहत डेयरिंग, उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को

छोड़कर अन्य सभी गतिविधियां शामिल हैं। उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा यातायात वाहन के तहत ऑटो रिक्शा, छोटा सामान ढोने के वाहन, थ्री-व्हीलर, ई-रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के तहत सैल्यून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटिक, फोटो कॉपी की दुकान, पापड़ बनाना, आचार बनाना, हलवाई की दुकान फूड स्टॉल, आईसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट बनाना, हैण्डलूम, बैग बनाना, कैटींन सर्विस इत्यादी का अपना काम शुरू कर सकती है। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए निर्धारित दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करवाने होंगे। इन दस्तावेजों में आवेदन पत्र, राशन कार्ड/परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिर्पोट, ट्रेंनिग सर्टिफिकेट /अनुभव प्रमाण पत्र शामिल रहेगा। उन्हांने बताया कि अधिक जानकारी के लिये निगम के कार्यालय जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा न0 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला, दूरभाष नंबर 0172-2585271 पर सम्पर्क कर सकते हैं।